राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 03 जुलाई 2023 वर्ष–6,अंक–159 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चुनावी शंखनाद : 2023 में पीएम मोदी का दूसरा वाराणसी दौरा, करोड़ों की सौगात के साथ साधेंगे पूर्वांचल को

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय (7-8 जुलाई) दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आ रहे हैं। साथ ही काशीवासियों को 3000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दे सकते हैं। बता दें कि इसके पहले प्रधानमंत्री 24 मार्च 2023 को वाराणसी आए थे और इस दौरान उन्होंने 1780 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया था। अब दूसरी बार पीएम फिर 2023 में वाराणसी दौरे पर आ रहै है, उनका ये दौरा लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद चुनाव की सरगर्मी तेज होने वाली है।

वाराणसी से साधेंगे पूर्वांचल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से पूर्वांचल को साधेंगे। सावन के पहले सप्ताह में प्रधानमंत्री वाराणसी में रिंग रोड किनारे हरहुआ चौराहे के पास वाजिदपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसकी तैयारियों में जिला व महानगर इकाई जुट गई है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री की वाराणसी में इस पहली चुनावी जनसभा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी है।

कार्यकर्ताओं को देंगे चुनावी मंत्र

पीएम मोदी वाराणसी में कार्यकर्ताओं को जीत का चुनावी मंत्र भी देंगे। वहीं बतौर सांसद प्रबुद्धजनों से मुलाकात भी करेंगे। इसके साथ ही वे केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियां भी बताएंगे। प्रधानमंत्री बारेका के अतिथि गृह में विश्राम भी करेंगे। पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री की जनसभा ऐतिहासिक होगी। वाराणसी व आसपास के जिलों से कार्यकर्ता, पदाधिकारी जनसभा में आएंगे। जनकल्याणकारी योजना के लाभार्थियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। उन्हें योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री करीब 28 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक

सुल्तानपुर वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सिपेट के स्कीलिंग एंड टेक्निकल सपोर्ट सेंटर (सीएसटीसी) सहित करीब 18 परियोजनाओं का लोकार्पण होगा। वह प्रदेश के दूसरे सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रो केमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट) का लोकार्पण करेंगे। तीन रेलवे ब्रिज का शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री के हाथों लोकार्पित व शिलान्यास वाली प्रस्तावित विकास परियोजनाओं की सूची बनाई जा रही है।

पीएम मोदी ने ही किया था सिपेट का शिलान्यास

इनकी लागत 1073 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ने ही 15 जुलाई 2021 को 10 एकड़ में बने सिपेट का शिलान्यास किया था। इसकी लागत 40.1 करोड़ रुपये है। यह संस्थान रोजगार प्रशिक्षण का प्रमुख माध्यम बनेगा। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रतिवर्ष एक हजार छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के सुंदरीकरण, तीन रेलवे ओवरब्रिज सहित 305 करोड़ से ज्यादा की लागत वाली 10 परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। इसी तरह रेलवे की 1622 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हो सकता है। कुछ और विकास कार्यों को सूची में शामिल किया जा सकता है। इसकी औपचारिकता पूरी की जा रही है।

जल परिवहन को भी गति देंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री बीएचयू में भूतल के साथ 10 मंजिला अंतरराष्ट्रीय बलिक छात्रावास, 96 सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्य भी जनता को समर्पित करेंगे। बाबतपुर-चौबेपुर मार्ग पर कादीपुर रेलवे स्टेशन, प्रयागराज-वाराणसी रेलवे लाइन पर हरदत्तपुर और राजातालाब और लोहता चौखंडी रेल लाइन पर जंसा रामेश्वर रोड पर दो-दो लेन के तीन रेलवे ओवर ब्रिज का शिलान्यास भी कर सकते हैं। गंगा में जल परिवहन को गति देने के लिए अस्सी घाट, शिवाला घाट, केदार घाट, पंचगंगा और राजघाट पर जेटी का काम शुरू करने की प्रक्रिया को हरी झंडी दे सकते हैं। बता दें कि इसके पहले काशी दौरे पर पीएम ने श्री लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा में एटीसी टावर और टेक्निकल ब्लॉक,औद्योगिक क्षेत्र करखियांव में इंटीग्रेटेड पैक हाउस, ट्रांस वरुणा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं का स्काडा ऑटोमेशन कार्य, भेलूपुर जल संस्थान परिसर में 2 मेगावाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट, कोनिया पंपिंग स्टेशन पर 0.8 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र में सड़कों का सुधार, राजघाट प्राथमिक विद्यालय और महमूरगंज कंपोजिट विद्यालय का पुनर्विकास, स्मार्ट सिटी मिशन के तहत पार्कों और कुंड का सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास, 34वीं वाहिनी पीएसी भुल्लनपुर में 300 क्षमता का मल्टीपरपज हॉल, पुलिस लाइन में जलापूर्ति कार्य, थाना फूलपुर और बड़ागांव में बैरक और विवेचना कक्ष, सर्किट हादस परिसर में अतिरिक्त भवन, सारनाथ में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन परियोजनाओं का लोकार्पण किया था।

सावधान! दिल्ली में 6 दिन होगी खूब बारिश, 4-5 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में बीते दो-तीन दिन से गर्मी और उमस से काफी राहत देखने को मिल रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली में अगले 6 दिन बारिश की संभावना जताई है। इसके चलते दिल्लीवासियों को गर्मी से और राहत मिलती रहेगी। वहीं 4-5 जुलाई को तेज बारिश की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग द्वारा येलो अलर्ट जारी किया गया है। फिलहाल बारिश के चलते तापमान में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए आमतौर पर आकाश में बादल छाए रहने और हल्की बारिश का अनुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान के क्रमशः 36 और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली के अधिकतम तापमान में आई गिरावट

दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 35.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से तीन डिग्री अधिक है। आईएमडी के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त 24 घंटों की अवधि में 27 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस बीच, दिल्ली की आबोहवा में भी काफी सुधार देखने को मिल रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक शनिवार शाम सात बजे 71 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। गौरतलब है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

मणिपुर: गोलीबारी में तीन लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर में बिष्णुपुर जिले के कुंभी शहर में रविवार को हथियारबंद लोगों की गोलीबारी में तीन लोग मोर गये। राज्यपाल अनुसुइया उइके ने आज एक बयान जारी करके किसानों पर हमले की निंदा की। सूत्रों ने बताया कि शनिवार आधी रात से लिंगौबी, चंदोलपोकपी और सौकोम इलाकों में पास की पहाड़ियों से भारी गोलीबारी हो रही है। इलाके के लोगों ने केंद्रीय बलों से मदद की गुहार लगाई। कुकी बहुल पहाड़ी इलाकों से तीन मई से गोलीबारी जारी है। तलहटी और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 50000 लोग विस्थापित हो गए हैं और राहत शिविरों में रह रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि गांवों की रखवाली कर रहे कई लोग मारे गए और पहाड़ियों से अत्याधुनिक बंदूकों, स्नाइपर और मोर्टार का उपयोग करके बार-बार की गई गोलीबारी ने ग्रामीणों के लिए वापस लौटना असंभव बना दिया है।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि बदमाश मवेशियों को भी मारकर ले गए। घाटी के निवासियों द्वारा गायों और अन्य जानवरों की हत्या का भी विरोध किया गया। वे जानवरों के साथ प्यार और देखभाल करते हैं और उनकी परंपरा और धर्म में हत्या की अनुमति नहीं है। कुछ स्वयंसेवक अब खाली गांवों की रखवाली कर रहे हैं क्योंकि स्थानीय लोगों को डर है कि उनके घर पूरी तरह से जला दिए जाएंगे, वर्तमान अशांति की शुरुआत के बाद से 3000 से अधिक घर जला दिए गए हैं। कुछ घंटों की छूट को छोड़कर राज्य के अधिकांश हिस्सों में कर्फ्यू जारी है। चुराचांदपुर जिले में संकट शुरू होने पर तीन मई से इंटरनेट निलंबित है।

राजस्थान में भी 'छत्तीसगढ़ फॉर्मूला' कांग्रेस के कदम से पहले सचिन पायलट ने शुरू किया ये काम

जयपुर। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव बेहद दिलचस्प होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की अंदरूनी कलह को सुलझाने के बाद अब राजस्थान में भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रही रसाकशी को खत्म करने के लिए राजस्थान पर नजर बनाए हुए है। राजस्थान में खेमेबंदी और अंदरूनी कलह से जूझ रही कांग्रेस पार्टी के लिए यहां इस चुनौती से पार पाना इतना आसान नहीं होगा। कांग्रेस ने फिलहाल विधानसभा चुनाव से पहले भले ही छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार में टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाकर यहां विरोध को शांत कर दिया है। अब उसकी नजर राजस्थान पर आ टिकी हैं, कांग्रेस यहां भी उसी तरह संकट को साधने की कोशिश कर रही है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि कांग्रेस राजस्थान में भी छत्तीसगढ़ वाला फॉर्मूला लगा सकती है। माना जा रहा है कि कांग्रेस मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ छत्तीस का आंकड़ा रखने वाले सचिन पायलट को सरकार या पार्टी में अधिक प्रमुख भूमिका में शामिल कर चुनाव से पहले राज्य में भी शांति स्थापित करने का प्रयास कर सकती है।

● कांग्रेस ने फिलहाल विधानसभा चुनाव से पहले भले ही छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार में टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाकर यहां विरोध को शांत कर दिया है।

सचिन पायलट द्वारा दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर वापस लौटने के बाद इसको लेकर सियासी अटकलें शुरू हो गई हैं। सचिन पायलट स्वयं कुछ नहीं बोल रहे है, लेकिन अपने समर्थकों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत करने से साफ मना कर दिया है। विधायक मुरारी लाल मीणा ने कहा, सचिन पायलट साहब जनाधार वाले नेता हैं। बाकी हाईकमान जाने... क्या हाईकमान करेगी क्या नहीं करेगी। वहीं, सचिन पायलट खेमे के एक विधायक इंद्राज गुर्जर ने ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा- गुड न्यूज जल्द आने वाली है। कृपया धैर्य बनाए रखे दोस्तों।÷ हालांकि, कुछ समय बाद इंद्राज गुर्जर ने अपना ट्वीट हटा दिया। इस ट्वीट के बाद राजस्थान की राजनीति में अटकलें और तेज हो गई हैं।

एनआईए की पटना और दरभंगा में पीएलएफआई के ठिकानों पर दबिश

पटना। बिहार में एक बार फिर एनआईए ने दबिश दी है। राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ और दरभंगा जिले के बहेरा में एनआईए ने तड़के पीएलएफआई के ठिकाने पर छापा मारा है। इस कार्रवाई में आतंक विरोधी दस्ता (एटीएस) की टीम भी शामिल है। पटना में यह कार्रवाई फुलवारी शरीफ स्थित इमारत सरिया के कार्यालय के पास बने मकान में चल रही है।दरभंगा में बहेरा थाना क्षेत्र के छोटकी बाजार से एक संदिग्ध युवक को एनआईए ने गिरफ्तार किया है। वह पटना में पढ़ाई करता था। दरभंगा के एसएसपी अवकाश कुमार ने इसकी पुष्टि की है। एनआईए और एटीएस की कार्रवाई फुलवारी पटना थाना में दर्ज मुकदमा संख्या 827 में वांछित अभियुक्त मुमताज अंसारी से जुड़ी जानकारी के आधार पर हो रही है। कहा जा रहा है कि यह छापा रात दो बजे मारा गया। एनआईए ने मई में कटिहार में भी छापा मारा था। इससे पहले मोतिहारी, दरभंगा, मधुबनी और पटना में भी छापा मारा जा चुका है।

गुजरात के 7 जिलों में बाढ़ जैसे हालात

30 घंटे में 10 लोगों की मौत; लैंडस्लाइड के चलते बद्रीनाथ हाईवे 13 घंटे से बंद

नई दिल्ली। आईएमडी ने इस हफ्ते लगभग सभी राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में बिहार समेत 13 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। राज्यों की बात करें तो गुजरात में पिछले 30 घंटों से भारी बारिश के चलते 10 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के जूनागढ़, कच्छ, जामनगर, वलसाड, मेहसाणा, सूरत और नवसारी जिले में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यहां SDRF और एयरफोर्स को रेस्क्यू और रिलीफ ऑपरेशन में लगाया गया है। हिमाचल में पिछले एक हफ्ते में 24 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली में एक ऑटो चालक की ड्रेनेज में गिरने से मौत हो गई। यानी इन तीन राज्यों में 35 मौतें हो चुकी हैं।

उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पिछले 13 घंटे से बंद है। शनिवार को यहां 3 दिन में दूसरी बार लैंडस्लाइड हुआ था। इससे पहले 29 जून को भी लैंडस्लाइड की वजह से बद्रीनाथ हाईवे 17 घंटे तक बंद रहा था।

अगले 24 घंटे कैसे रहेंगे

इन राज्यों में तेज बारिश होगी: बिहार, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड और तमिलनाडु।

इन राज्यों में हल्की बारिश होगी: तेज बारिश वाले सभी राज्यों के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी होगी। इनके अलावा राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तर प्रदेश में बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी।

इन राज्यों में मौसम साफ रहेगा: कर्नाटक, विदर्भ, मराठवाड़ा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, पश्चिमी राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख।

दिल्ली के भजनपुरा में अवैध मंदिर और मजार पर सुबह-सुबह चला बुलडोजर, इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली के मंडावली में मंदिर का अवैध निर्माण तोड़ने के बाद अब उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा में भी अवैध मजार और मंदिर पर भी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का बुलडोजर चल गया है। वजीराबाद रोड के भजनपुरा चौक पर रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच सड़क बनी अवैध मजार और हनुमान मंदिर को हटा दिया गया। प्रशासन के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी की टीम द्वारा बुलडोजर की मदद से सबसे पहले अवैध मजार हटाई गई, इसके बाद मंदिर को हटाने का काम शुरू किया गया। इस दौरान पूरे इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी तादाद में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षाबलों की भी तैनाती की गई है। बता दें कि, पुलिस ने इस दौरान मंदिर को तोड़ने से पहले बजरंगबली के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना भी की।

पुलिस इलाके में कर रही पेट्रोलिंग

पुलिस पूरे इलाके में पेट्रोलिंग कर रही है। पुलिस द्वारा इस दौरान स्थानीय लोगों से इलाके में शांति बनाए रखने की अपील की गई। वहीं पुलिस किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पूरे इलाके में ड्रोन से निगरानी कर रही है। भजनपुरा के मंदिर और मजार के अलावा दिल्ली में और भी ऐसे कई इलाके चिह्नित किए गए हैं जहां सड़क के बीच में मंदिर और मस्जिद दोनों आ रहे हैं। पीडब्ल्यूडी इन पर भी जल्द एक्शन ले सकता है।

बता दें कि, पीडब्ल्यूडी द्वारा भजनपुरा में डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें ऊपर मेट्रो रूट और नीचे सड़क बनाई जा रही है। वहीं, भजनपुरा चौक पर इस अवैध मजार के चलते यहां लगातार जाम की स्थिति बन रही थी। इसके नजदीक ही हनुमान मंदिर है, उसे भी हटाने की भी तैयारी की जा रही है और लोग इसका विरोध भी कर रहे हैं।

जाम का कारण बन रही थी मजार

बताया जा रहा है कि जिस दरगाह को हटाया गया वो करीब तीन दशक से ज्यादा पुरानी है। इसे पहले भी नोटिस जारी किए गए थे। वजीराबाद रोड से अवैध अतिक्रमण हटाने के बाद बीच सड़क पर आई यह मजार लगातार जाम का कारण बन रही थी, जिसे हटाने के लिए काफी समय से मांग की जा रही थी। रविवार सुबह-सुबह यहां भारी सुरक्षाबलों की तैनाती के बीच बुलडोजर की मदद से इसे हटा दिया गया। डीसीपी नॉर्थ-ईस्ट जॉय एन टिर्की ने कहा, भजनपुरा चौक पर तोड़फोड़ अभियान शांतिपूर्वक चल रहा है। दिल्ली की धार्मिक समिति द्वारा सहारनपुर राजमार्ग के लिए सड़क को और चौड़ा करने के लिए एक हनुमान मंदिर और एक मजार को हटाने का निर्णय लिया गया था। दोनों संरचनाओं को शांतिपूर्वक हटा दिया गया है।

संपादकीय

जहरीली मिठास

दुनियाभर में तमाम खाद्य पदार्थों का आक्रामक प्रचार-प्रसार करके अकूत संपदा जुटाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों के सेहत पर पड़ने वाले घातक प्रभावों पर दशकों से विमर्श होता रहा है। लेकिन दुनिया के शक्तिशाली देशों में प्रभावी इन कंपनियों के खिलाफ कोई भी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह जाती थी। लेकिन अब जाकर विभिन्न शोधों के निष्कर्षों के आधार पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खाद्य पदार्थों व पेय पदार्थों में मिलाये जाने वाली कृत्रिम मिठास को कैंसर को बढ़ाने वाला कारक माना है। एक अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस माह विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया के सामने स्वीकारेगा कि कृत्रिम मिठास दुनिया में कैंसर के प्रसार का संभावित कारण है। दरअसल, दुनिया में बहुराष्ट्रीय शीतल पेय कंपनियों के पेय, सोडा, च्यूइंग गम आदि पदार्थों में इस तरह की कृत्रिम मिठास का धड़ल्ले से प्रयोग किया जाता है। दरअसल, मनुष्य पर कैंसरकारक असर के बाबत अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी आईएआरसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन के कैंसर अनुसंधान प्रभाग के अध्ययन का हवाला दिया गया है। गत माह की शुरुआत में आईएआरसी के निष्कर्षों को समूह के बाहरी विशेषज्ञों की बैठक के बाद अंतिम रूप दिया गया। जिसका उद्देश्य था कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आकलन किया जाये कि कृत्रिम मिठास से वास्तविक खतरा कितना है। विशेषज्ञों ने उस पुरानी दलील को तरजीह नहीं दी कि एक सीमित मात्रा में इससे बने उत्पाद घातक नहीं होते और इनका उपयोग किया जा सकता है। दरअसल, इस आशंका की पुष्टि विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक अन्य विशेषज्ञ समिति द्वारा भी की गई है, जिसे जेईसीएफए कहा जाता है। जो कि डब्ल्यूएचओ और खाद्य एवं कृषि संगठन के खाद्य विशेषज्ञों की संयुक्त समिति है। निस्संदेह, इन निष्कर्षों ने दुनियाभर के उपभोक्ताओं की चिंताओं को बढ़ा दिया है, जो लंबे समय से इन उत्पादों के सेवन को लेकर दुविधा में थे। उल्लेखनीय है कि अतीत में इस मुद्दे पर आईएआरसी के निष्कर्षों को लेकर उपभोक्ता प्रश्न उठाते रहे हैं। इस मामले में कई मुकदमे भी किये गये। साथ ही इन खाद्य व पेय पदार्थों के निर्माताओं से कृत्रिम मीठे से बने खाद्य पदार्थों की निर्माण प्रक्रिया की समीक्षा करने तथा उनके स्वास्थ्यवर्धक विकल्प तलाशने पर बल देते रहे हैं। अब जाकर यह मुहिम तार्किक परिणति की ओर जा रही है। जुलाई के मध्य तक आईएआरसी अपने निष्कर्षों को सार्वजनिक करेगी। दरअसल, आईएआरसी के सूत्रों का मानना है कि एस्पार्टेम को संभावित कैंसर कारक के रूप में सूचीबद्ध करने का मकसद यह है कि इस दिशा में शोध को गति दी जाये। जिसके फलस्वरूप विभिन्न एजेंसियों, उपभोक्ताओं तथा इन खाद्य पदार्थों के निर्माताओं को निर्णायक स्थिति में पहुंचने में मदद मिल सके। निश्चित रूप से इस कोशिश से पूरी दुनिया में घातक कृत्रिम मिठास के दुष्प्रभावों को लेकर नये सिरे से बहस का आगाज होगा। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रकाशित दिशा-निर्देशों में लोगों को वजन नियंत्रण के प्रयासों में चीनी छोड़कर उसकी जगह कृत्रिम मिठास का उपयोग न करने की सलाह दी थी। जाहिरा तौर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस पहल से खाद्य निर्माण से जुड़े उद्योग में तहलका मच गया। जो अब तक यह दलील देकर अपना उत्पाद बेचते रहे हैं कि लोग अपने खानपान में चीनी की मात्रा कम करके कृत्रिम मिठास का विकल्प चुन सकते हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

गुरुओं का कमाल, चेलों की धमाल

(गुरु पूर्णिमा - 03 जुलाई 2023 के लिए विशेष)

- डॉ. दीपक आचार्य

धर्म के प्रति आस्थाओं में भी भेद है। एक तरफ वे लोग हैं जो धर्म के नाम पर पैसा बनाने, लोगों को उल्लू बनाने, पद और प्रतिष्ठा पाने के लिए लगे हुए हैं और दूसरी तरफ वे असली श्रद्धालु हैं जिन्हें न पैसा चाहिए, न प्रतिष्ठा, उन्हें तो बस भगवान चाहिएं, और वो भी न मिल पाएं तो भगवान की प्रसन्नता की अनुभूति मात्र से भी खुश हो लेते हैं। एक तरफ संसार को त्याग कर वैराग्य धारण कर चुके लोगों ने अपने अलग-अलग संसार बसा लिए हैं जहाँ वो हर आराम और भोग-विलास उपलब्ध है जो गृहस्थियों और सांसारिकों के पास भी नहीं है। इनमें अधिकांश लोग धर्म-कर्म, कर्मकाण्ड, ज्योतिष, तंत्र-मंत्र, मैली विद्याओं, भूत-प्रेत और कर्णपिशाचिनी सिद्ध किए हुए हैं तो कई आश्रम और मन्दिर बनाकर अपना वैभव बढ़ाने में लगे हुए हैं। गुरु के लक्षणों और प्राचीन काल से चली आ रही गुरु परंपरा में वर्णित गुरुओं के स्वभाव, कर्म और सिद्धान्तों से इनकी तुलना की जाए तो एक भी लक्षण इनमें देखने को नहीं मिलता। फिर भी गुरु के रूप में पूजे जा रहे हैं और पूजने वाले हैं स्वार्थी चेले। किसी गुरु को जानना हो तो उसके चेलों के चरित्र को देख लें, अपने आप पता चल जाएगा कि तथाकथित गुरु कैसा है। आजकल इन गुरुओं के चेलों में व्यभिचारी, रिश्वतखोर, धूर्त-मक्कार, शराबी-नशेड़ी, अतिक्रमणकारी, भ्रष्ट आदि सभी किस्मों के लोग देखने को मिल जाते हैं। इनमें हर तरह के माफियाओं की जीवन्त झलक पायी जा सकती है। इसी से अन्दाज लग जाता है कि इनके गुरु कैसे होंगे। बेशकीमती जमीन, आलीशान आश्रमनुमा भवन, लक्जरी एसी गाड़ियां और एयरकण्डीशण्ड प्रासाद से लेकर वह सब कुछ है जो रिसोर्ट या बड़ी पंच सितारा होटलों में होता है। तरह-तरह के नामों और उपनामों, पदवियों के भार के मारे दबे हुए महंत-महामण्डलेश्वर हैं, योगी-ध्यानयोगी हैं, कथावाचक और सत्संगी हैं, सिद्ध और संत से लेकर शंकराचार्यों तक की पूरी जमात है और इन सभी के साथ है चेले-चेलियों, अनुचरों, प्रोपेगण्डिस्टों की जबर्दस्त फौज है जो उन्हें ईश्वर की तरह सम्मान देती रही है। इस भीड़ में वीआईपी और वीवीआईपी कहे जाने वाले महान, स्वयंभू, स्वनामधन्य और संप्रभु भी हैं, बड़े-बड़े राजनेता, कारोबारी और धंधेबाज हैं, इन्हीं के साथ फाइनेन्सर और दलालों की भारी भीड़ है। यही नहीं बाबाजी की पीआर करने वालों की भी कोई कमी नहीं है। गुरु पूर्णिमा पर इस तरह के तमाम किस्मों के गुरुओं और चेलों की धींगामस्ती का दौर परवान पर रहता है। बाबाजी का संसार ही ऐसा है जिसमें भगवान के नाम पर सब कुछ होता है और पूरा का पूरा संसार इनके आश्रमों, मठों और मन्दिरों में हर वक्त जीवन्त दिखाई देता है। बाबाजी को साधना, भगवान और सिद्धि से कोई सरोकार नहीं है। सामूहिक वशीकरण के दो-चार प्रयोग सीख लेने के बाद उनकी चवन्नियां चलने लगी हैं। फिर इनके लिए कर्मकाण्डियों की जमात हमेशा तैयार रहती है आम भक्तों और जरूरतमन्दों में महिमामण्डन के लिए। सबका अपना-अपना हिस्सा हमेशा तैयार रहता है और अपने आप मिलता रहता है। संसार को त्याग कर भगवान को पाने के लिए निकले लोगों ने अपने-अपने विराट संसार बसा लिए हैं और भगवान व धरम के नाम पर जो कुछ किया जा रहा है उससे कलियुगी मानव आकर्षित होने लगा है। अपनी वंश, कुल व गौत्र परम्परा की साधना, उपासना और परम्पराओं को भुलाकर लोग केवल अपने कामों और स्वार्थों के लक्ष्यों को सामने रखकर ही नए-नए डेरे तलाशने लगे हैं। इन बाबाओं और गुरुओं में खूब सारे ऐसे हैं जिन्हें भगवान से कोई सरोकार नहीं है। इन्हें अपनी प्रतिष्ठा और चेलों की भीड़ बढ़ाने से ही फुरसत नहीं है। गुरु के रूप में प्रतिष्ठित ऐसे खूब सारे बाबा लोग हैं जिनके लिए राजनेता और सत्ताधीश ही सब कुछ हैं और वे इन्हीं को आराध्य मानकर इनके आगे-पीछे घूमते हैं और इनके सहारे अपनी चवन्नियां चलाते रहते हैं। इनमें कई बाबा तबादलों, पोस्टिंग और सरकारी कामों में भी इतना जबर्दस्त दखल रखते हैं कि सरकारी क्षेत्रों के नुमाइन्दे भी इनके चेले बने हुए नज़र आते हैं। गुरुओं और बाबाओं के नाम पर इस देश में जो कुछ हो रहा है वह अपने आप में किसी महान चमत्कार से कम नहीं। जो लोग गरीबों और जरूरतमन्दों को एक धेला देने में मर जाते हैं, अपने माँ-बाप और भाई-भगिनियों की उपेक्षा करने को ही जिन्दगी मान बैठे हैं, अपने क्षेत्र तथा देश की जरूरतों के प्रति बेपरवाह हैं, वे सारे के सारे लोग भगवान और धर्म के नाम पर बाबाओं, भौंपाओं, तांत्रिकों और नीम-हकीमों, ओझाओं पर पैसे लुटा रहे हैं और मूरख बन रहे हैं। अभिजात्यों का अपना अलग ही धर्म है। अपनी मेहनत का एक पैसा खर्च किए बगैर भारी-भरकम आतिथ्य, मुफ्त का खाना-पीना और आवास भी चाहते हैं और धार्मिक यात्रा, धर्म-कर्म सब कुछ परायों के भरोसे करते हुए धर्म लाभ पाने को उतावले एवं अधीर रहा करते हैं। भगवान के दर पर गरीब-अमीर, बच्चा-बूढ़ा, बड़ा-छोटा सब बराबर हैं लेकिन बड़े-बड़े मन्दिरों में पैसे लेकर या रुतबा दिखाकर वीआईपी दर्शन का पिछला दरवाजा ऐसा खुल गया है कि इसने आस्थाओं की ऐसी-तैसी कर दी है। भला भगवान के सामने वीआईपी कौन हो सकता है? पर हो रहा है। पहले के बुजुर्ग भगवान के दर्शनों को जाते थे तब पगड़ी उतार दिया करते थे। यह इस बात का प्रतीक था कि जो कुछ है वह भगवान का ही है, और उसे ही समर्पित, हमारा कुछ नहीं। न पद, पैसा न प्रतिष्ठा। आज हमारे वीआईपी और वीवीआईपी दर्शनों के लिए जाते हैं तो साथ में खुद के परिवार के साथ जाने कितने परिवार होते हैं, सुरक्षाकर्मी, छायाकार और ढेर सारे लोगों के समूह के साथ जाकर भगवान के दर्शन करते हैं और यह जताते हैं कि हम भी भगवान से कम नहीं। और बेचारे दूसरे श्रद्धालु देखते रह जाते हैं इनकी माया और काया। एक तरफ यह मंजर है और दूसरी तरफ सच्चे आस्थावान लोगों का सैलाब उमड़ता दिखाई देता है। सच्ची श्रद्धा और आस्था तो उन लोगां की है जो कि देश के विभिन्न तीर्थों में गर्मी, सर्दी और बरसात के बावजूद सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर तीर्थो में पहुंचते हैं। चाहे वह हमारे इलाके के स्थानीय तीर्थ हो या फिर कोई सा और दैवधाम। न खाने का ठिकाना, न पीने का, न सोने का ठिकाना और न ही दूसरे आराम। बावजूद इसके तमाम तरह के अभावों और समस्याओं की चुनौतियों के बावजूद जो लोग पैदल यात्री के रूप में पहुँचते हैं, उन्हें ही कहा जा सकता है सच्चा श्रद्धालु। इन्हें न वीआईपी दर्शनों की चाह है, न सर्किट हाउस-रेस्ट हाउस की, न आलीशान वाहनों की चाह है, न सब जगह वीआईपी और वीवीआईपी ट्रीटमेंट या राज्य अतिथि बनने की। सच कहा जाए तो भगवान की कृपा इन्हीं निष्ठावान भक्तों पर रहती है। खुद के पैसों, स्वयं के शरीर और मन-वचन तथा कर्म से की जाने वाली भक्ति ही सार्थक होती है बाकी सब तो लोक दिखावा है और इसका कोई पुण्य भी प्राप्त नहीं होता। परमात्मा की सेवा-पूजा, तीर्थाटन, धार्मिक यात्राओं आदि का लाभ तभी है जब हम सामान्य इंसान के रूप में हिस्सेदार बनें। ईश्वर के दर पर जो वीआईपी बनकर जाते हैं वे अगले जनम में वैभव खो चुके दरिद्री बनते हैं अथवा पराये पैसों और संसाधनों पर मौज उड़ाने के पापों के कारण भिखारी के रूप में पैदा होते हैं और इन्हीं देवतीर्थों के आस-पास भीख मांगते फिरते हैं। बीती सदियों में गुरु की तलाश में शिष्य बरसों तक खाक छानते थे तब कहीं जाकर सच्चा गुरु मिल पाता था। आजकल बड़े-बड़े इश्तहार, होर्डिंग्स, बेनर, पोस्टर आदि के जरिये किसम-किसम के गुरु चेलों को आमंत्रित करते हैं। जिसके यहां ज्यादा भीड़, जिस भीड़ में नेता, माफिया और भ्रष्ट लोगों का बोलबाला, वही गुरु सच्चा स्वीकार किया जाने लगा है। पता नहीं गुरु और चेलों का यह कारोबार कब तक धर्म के नाम पर मनमानी करता रहेगा। इसी को देखकर सच्चे गुरु आजकल दुनिया से दूर रहकर आत्मचिन्तन में लगे हुए हैं, सामान्य मनुष्य इन तक पहुंच ही नहीं पाता। इतना सब कुछ होने के बावजूद गुरु पूर्णिमा के नाम पर गुरु की महिमा का बखान हो रहा है, यही सुकून की बात है।

समस्त गुरुओं और उनके चेलों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं....

अंधकार हटाकर प्रकाश की ओर ले जाते हैं गुरु

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

(गुरु पूर्णिमा (3 जुलाई) पर विशेष)

गुरु पूर्णिमा का संबंध महाभारत के रचयिता महर्षि श्रीकृष्ण द्वैपायन से जुड़ा है, जिनका जन्म इसी दिन हुआ माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व वैसे तो शास्त्रों में गुरुओं को समर्पित है लेकिन सही मायनों में यह आदिगुरु वेद व्यास के सम्मान में ही मनाया जाता है और इसीलिए इसे 'व्यास पूर्णिमा' भी कहा जाता है। संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान महर्षि द्वैपायन ने ही सनातन धर्म के चारों वेदों की रचना की थी, इसीलिए उन्हें महर्षि वेद व्यास के नाम से जाना गया। महर्षि वेद व्यास ने एक लाख श्लोक वाला महाभारत, पुराण और ब्रह्मा-सूत्र की रचना के साथ एक वेद को चार वेदों में विस्तारित कर समस्त संसार को ज्ञान से प्रकाशित किया था, इसीलिए उन्हें आदि-गुरु का दर्जा प्राप्त है। प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 3 जुलाई को मनाई जा रही है। हिन्दू धर्म में गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है और गुरु की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा भी गया है कि गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है, गुरु ही शंकर है, गुरु ही साक्षात् परब्रह्म है, ऐसे सद्गुरु को प्रणाम।

'गुरु' वास्तविक का अर्थ है अंधकार रूपी अज्ञान को मिटाने वाला। गुरु को गुरु इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वह अज्ञान रूपी अंधकार को हटाकर जीवन को ज्ञान रूपी प्रकाश से आलोकित करता है। ज्ञान की रोशनी सभी प्रकार के अंधकार को मिटा देती है, इसीलिए जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा है। गुरु ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति होता है, जो अंधकार को मिटाकर प्रकाश के उजाले से हमारी अंतरात्मा और मन को प्रकाशित कर सकता है। एक अच्छा गुरु जीवन में रोशनी लाने का कार्य करता है, जिससे जीवन प्रकाशमान हो जाता है। गुरु साधक के अज्ञान को मिटाता है, ताकि वह अपने भीतर सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। शास्त्रों में अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने वाला जो ब्रह्म रूप प्रकाश है, वही गुरु है अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को ही 'गुरु' कहा जाता है।

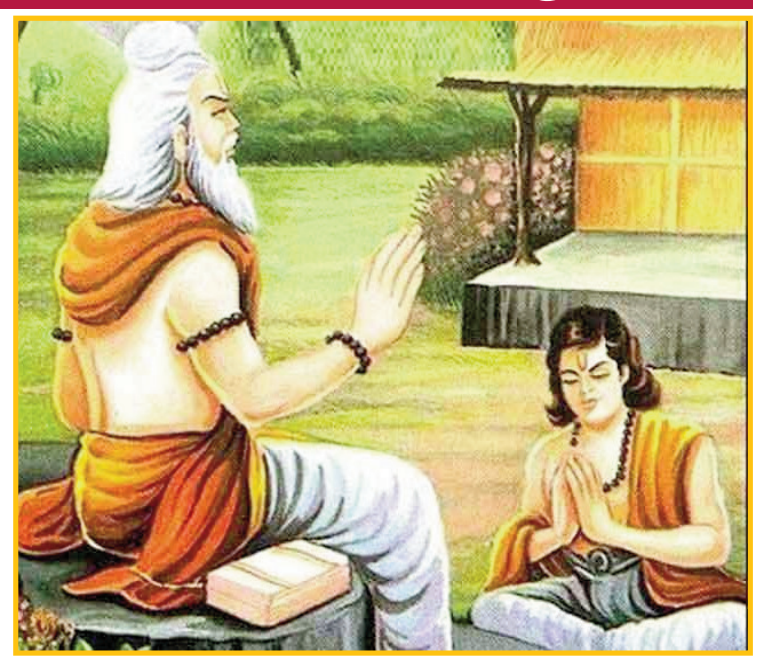

कबीरदास कहते हैं कि अच्छा हुआ जो गुरु मिल गए, अन्यथा तो मेरी हानि ही होती। जैसे दीपक की अग्नि की ओर पतंगे आकृष्ट हो जाते हैं, वैसे ही मैं भी विषय वासनाओं और माया की और आकृष्ट हो जाता और परिणामस्वरूप अमूल्य जीवन को नष्ट कर देता। मनुस्मृति के अनुसार ऐसे व्यक्ति को ही गुरु बनाना चाहिए, जो क्षमा, दया, तपस्या, पवित्रता, यम, नियम, दान, सत्य, विद्या, संतोष इत्यादि दस गुणों से सम्पन्न हो। गुरु की कृपा से ही विद्यार्थियों को विद्या की प्राप्ति होती है और उनके अंदर का अज्ञान तथा अंधकार दूर होता है। गुरु कृपा से ही विश्व के समस्त सुखों, ऐश्वर्य और स्वर्ग की सम्पदा प्राप्त हो सकती है, जो बड़े-बड़े योगियों को भी नसीब नहीं होती। गुरु तथा देवता में समानता के बारे में कहा गया है कि देवताओं के लिए जैसी भक्ति की आवश्यकता है, वैसी ही गुरु के लिए भी है। अच्छे गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है लेकिन गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं। वैसे तो गुरु को सभी धर्मों में विशेष महत्व दिया जाता रहा है लेकिन एक अच्छे गुरु का स्थान हिन्दू धर्म में भगवान से भी बढ़कर है।

शास्त्रों में कहा गया है कि गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त करना कठिन है और अगर शिष्य को अपने गुरु पर पूर्ण विश्वास हो तो उसका बुरा स्वयं गुरु भी नहीं कर सकते। गुरु पूर्णिमा को बौद्ध धर्म के अनुयायी गौतम बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश के सम्मान में मनाते हैं। सिख धर्म में केवल एक ईश्वर और अपने सभी दसों गुरुओं की वाणी को ही जीवन के वास्तविक सत्य के रूप में मानते है। जैन धर्म के अनुसार इस दिन को चौमासा अर्थात चार महीने के बारिश के मौसम की शुरुआत के रूप में तथा त्रीनोक गुहा पूर्णिमा के रूप में माना जाता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व वास्तव में मानव जीवन में गुरु के विशिष्ट स्थान को दर्शाता है। एक दोहे में गुरु की महिमा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा गया है--

गुरु को पारस जानिए, करे लौह को स्वर्ण।
शिष्य और गुरु जगत में, केवल दो ही वर्ण।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नई संसद में संसद का मानसून सत्र

(लेखक - सनत जैन)

20 जुलाई से लेकर 11 अगस्त तक संसद का मानसून सत्र आहूत किया गया है। 23 दिन में संसद की 17 बैठकें होंगी। संसद का मानसून सत्र काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पिछले 2 महीने से मणिपुर में हिंसा भड़की हुई है। इसमें 130 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। 60 हजार से ज्यादा मणिपुर के लोग अपनी जान बचाने के लिए अपने ही राज्य में अपने घरों को छोड़कर शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए विवश हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजकीय यात्रा में अमेरिका गए थे। विपक्षी दलों की एकता, किसानों के मुद्दे,नई संसद के उद्घाटन समारोह का विपक्षी दलों द्वारा बहिष्कार, पहलवानों की गिरफ्तारी,महंगाई जैसे मुद्दों पर संसद की कार्यवाही के दौरान,सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बड़े पैमाने पर टकराव की आशंका व्यक्त की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में जिस तरह से विपक्षी दलों को ललकारा है। उन्हें जेल भेजने की गारंटी दी है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ की संवैधानिक आदेश के बाद दिल्ली सरकार को नियंत्रित करने और सुप्रीम कोर्ट के आर्डर को निष्फल करने के लिए जो अध्यादेश केंद्र सरकार द्वारा लाया गया है। उसको लेकर संसद की कार्रवाई चल पाएगी, या हो- हल्ले के बीच कोई संसद मे कोई काम होगा,या नहीं इसको लेकर अभी से आशंका प्रकट की जा रही है। सरकार समान नागरिक संहिता का बिल भी इस सत्र में पेश कर सकती है। केंद्र सरकार ने इसका ड्राफ्ट भी जारी नहीं किया है और आपत्ति और सुझाव मांगे हैं। राहुल गांधी का अमेरिका दौरा और उनकी लोकसभा से सदस्यता निरस्त होने पर कांग्रेस और विपक्षी दलों का रवैया बहुत आक्रमक होगा। नये संसद भवन की आसंदी में स्थापित

सिंगोल को लेकर लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को प्रभावित करेगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष के जो तेवर देखने को मिल रहे हैं। उससे मानसून सत्र को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच हो रही हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों आक्रामकता के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को लेकर सदस्यों द्वारा जिस तरह की तैयारी की जा रही है। उसको लेकर यह कहा जा सकता है, कि संसद किसी लड़ाई के मैदान से कम नहीं होगा। जहां पक्ष और विपक्ष अपना बल दिखाने का कोई मौका नहीं चूकेंगे। संभावना व्यक्त की जा रही है, नये संसद भवन मे प्रथम बार आयोजित होने वाला मानसून सत्र भारत के संसदीय इतिहास मैं एक नया अध्याय रचने जा रहा है। इसको लेकर सभी की उत्सुकता बढ़ी हुई है। पक्ष और विपक्ष की राजनीति सरगर्मी बढ़ी हुई है अब देखना है,कि किसके तरकस में कौन-कौन सी तीर हैं, वह किस तरह से

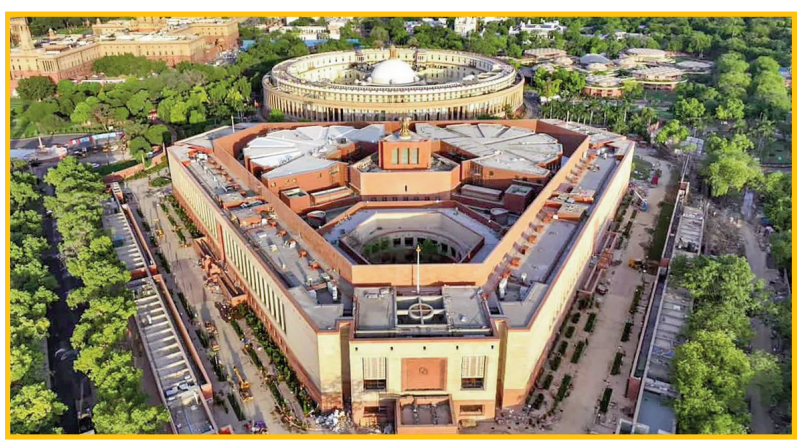

चलते हैं, कौन उन तीनों से घायल होगा। इसमें कौन जीतेगा और कौन हारेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कई हवाई मार्गों का किराया घटा, और भी होगा कम

नई दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के आधार पर किए गए विश्लेषण में यह जानकारी मिली है कि दिल्ली-मुंबई सहित विभिन्न हवाई मार्गों पर किराया कम हुआ है। हाल के वर्षों में कुछ विशिष्ट मार्गों पर हवाई किराए में भारी उछाल आया था। यह बदलाव मुख्य रूप से गोफर्स्ट का परिचालन निलंबित होने के बाद आया। डीजीसीए की यातायात निगरानी इकाई के आंकड़ों के अनुसार 10 मार्गों में से दिल्ली-मुंबई मार्ग पर औसत हवाई किराए में 6 जून की तुलना में 29 जून को 74 प्रतिशत गिरावट आई है। इस दौरान दिल्ली-पुणे मार्ग पर हवाई किराए में 70 प्रतिशत, दिल्ली-अहमदाबाद मार्ग पर 72 प्रतिशत और दिल्ली-श्रीनगर मार्ग पर 36 प्रतिशत गिरावट हुई है। हालांकि इस दौरान, कुछ मार्गों पर किराए में बढ़ोतरी भी हुई। मुंबई-दिल्ली और पुणे-दिल्ली मार्गों पर औसत किराया क्रमशः23 प्रतिशत और 17 प्रतिशत बढ़ा है। इसी महीने कई मार्गों पर हवाई किराया बढ़ गया था, जिसके बाद नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों से उचित कीमत सुनिश्चित करने के लिए प्रणाली स्थापित करने को कहा था। भारत में हवाई किराया नियंत्रित नहीं है और व्यापक रूप से यह मांग-आपूर्ति की स्थिति पर निर्भर करता है। 12 जून को केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि किराए में 60 प्रतिशत तक की कमी की गई है और कुछ मार्गों पर किराए में और गिरावट होने की संभावना है, जहां किराए में वृद्धि देखी गई थी। वहीं डीजीसीए भी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है।

कोल इंडिया का 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्यः चेयरमैन

नई दिल्ली । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के नए चेयरमैन पीएम प्रसाद ने कहा कि उनकी प्राथमिकता चालू वित्त वर्ष में 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करना है। प्रसाद ने एक जुलाई को सीआईएल के चेयरमैन का कार्यभार संभाला था। उन्होंने 30 जून, 2023 को सेवानिवृत्त हुए प्रमोद अग्रवाल का स्थान लिया है। कोल इंडिया ने एक बयान में कहा कि चेयरमैन ने अपनी प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सीआईएल सभी के प्रयासों से वित्त वर्ष 2023-24 में 78 करोड़ टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। सीआईएल ने पिछले वित्त वर्ष में 70.3 करोड़ टन कोयला का उत्पादन किया था। उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र के लिए कोयले की निर्बाध आपूर्ति उनकी दूसरी प्राथमिकता होगी। प्रसाद इससे पहले सीआईएल की झारखंड स्थिति शाखा सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के चेयरमैन थे। कोयला मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली कोल इंडिया की कुल आठ अनुषंगी इकाइयां हैं।

प्रीमियम बाइक और स्कूटर खंड में अच्छी मांग रहेगीः टीवीएस मोटर्स

नई दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी को अर्थव्यवस्था की मजबूती और सड़क अवसंरचना में लगातार सुधार के कारण चालू वित्त वर्ष में उसकी वृद्धि रफ्तार बरकरार रहने की उम्मीद है। कंपनी के अनुसार 2023-24 में निर्यात बढ़ने के कारण प्रीमियम बाइक और स्कूटर खंड में अच्छी मांग रहेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों से भी समर्थन मिलेगा। टीवीएस मोटर्स ने 2022-23 के लिए अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए उसका आशावादी नजरिया है। इस बात को लेकर आम सहमति है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत की वृद्धि दर अग्रणी रहेगी। इसके साथ ही सड़क अवसंरचना में सुधार के कारण दोपहिया वाहनों की मांग मजबूत बनी रहेगी। टीवीएस ने 2022-23 में सालाना आधार पर 22.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि इस दौरान उद्योग का औसत 15.5 प्रतिशत था। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि अल नीनो के कारण मानसून प्रभावित होने की स्थिति में ग्रामीण क्षेत्र में बिक्री कुछ प्रभावित हो सकती है।

नेपाल में इंडियन करेंसी को लेकर मचा बवाल

- भारत और नेपाल के आम लोगों पर पड़ रहा प्रभाव, क्या करेंगे व्यापारी?

सीतामढ़ी ।

नेपाल में इन दिनों इंडियन करेंसी को लेकर उथल-पुथल मचा है। इसका सीधा असर भारत और नेपाल के आम लोगों पर पड़ रहा है। बेटी-रोटी का रिश्ता रखने वाले भारत और नेपाल के सीमाई इलाके में रहने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है। सीमावर्ती इलाके के अधिकांश लोग भारतीय बाजार पर निर्भर हैं और यहां के दुकानदार उनपर निर्भर है। दरअसल नेपाल में इंडियन करेंसी पर अघोषित प्रतिबंध की वजह से सीमा से सटे बाजार में दुकान चलाने वाले लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि नेपाल के प्रशासन के द्वारा ही कार्रवाई की जा रही है। यहां से आने-जाने वाले लोगों की जांच की जा रही है। एक निश्चित मात्रा में ही सामान जाने दिया जा रहा है। एक व्यापारी ने बताया कि हाल के दिनों में भारत सरकार के द्वारा दो हजार के नोट को प्रतिबंधित कर देने के बाद से ज्यादा बखेड़ा खड़ा हुआ है। नेपाल से भारत में आने वाले व्यापारी और ग्राहक 100 रुपए से ऊपर का नोट नहीं ले रहे हैं। नेपाल के लोगों का कहना है कि इंडियन करेंसी का मार्केट वैल्यू कम हो गई है। इसलिए अब इंडियन करेंसी में सामान खरीदारी नहीं करेंगे। पहले खरीदारी करते थे तो जिस 100 रुपए का वह 160 रुपए दिया करते थे, लेकिन अब 150 रुपएही देने को तैयार हैं। इसके चलते स्थानीय व्यापारी के अलावा भारत से नेपाल जाने वाले आम नागरिक को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है कपड़ा व्यापारी का कहना है कि पहले 1000 भारतीय नोटों का 1600 रुपया होता था, लेकिन बीते कुछ महीनों से 1600 रुपए की जगह 1550 रुपए ही बन रहा है। उन्होंने बताया कि 100 रुपए से ऊपर का नोट नेपाल में पहले से प्रतिबंधित है। सरकार के द्वारा यह पहले से घोषित है, लेकिन आपसी भाईचारा और बेटी-रोटी के संबंधों की वजह से 200, 500 और 2000 के नोटों को भी प्रचलन में लाया जा रहा था। जब से 2000 का नोट बंद हुआ है तब से नेपाल के लोग 100 से ऊपर का नोट नहीं ले रहे हैं। उनको यह भी डर है कि कहीं 200 और 500 के नोट भी बंद न हो जाएं।

मेड इन इंडिया बाइक हार्ले-डे विडसन 3 जुलाई को होगी लांच

नई दिल्ली । मेड इन इंडिया बाइक हार्ले-डे विडसन एक्स-440 26 मई को पेश की गई थी। इस बाइक को हीरो मोटो कॉर्प के साथ मिलकर बनाया गया है। जून में कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू की थी। इच्छुक ग्राहक 25000 रुपए की टोकन मनी देकर इसे बुक कर सकते हैं। अब 3 जुलाई को हार्ले-डे विडसन लॉन्च होने जा रही है। जानकारी के मुताबिक इस मोटरसाइकिल का प्रोडक्शन, बिक्री और सर्विस हीरो मोटोकॉर्प द्वारा की जाएगी। इस बाइके में 440 सीसी का एयर कूल्ड लिक्विड इंजन दिया जा सकता है, जो रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 की तुलना में अधिक पावरफुल और टॉर्की हो सकता है। इसमें 6 स्पीड गियरबॉक्स दिया जा सकता है। डिजाइन एक रोडस्टर का है। इसके फ्रंट में सर्कुलर हेडलैंप, स्क्वायरिश फ्यूल टैंक, अलॉय व्हील और रेक्टेंगुलर एलईडी टेल लैंप है। इसके टायर एमआरएफ से लिए गए हैं और ऐसा लगता है कि पहियों का आगे का हिस्सा 18 इंच और पीछे का 17 इंच का है। बाइक की कीमत 2.5 से 3 लाख रुपए एक्स-शोरूम के बीच हो सकती है।

इनकम टैक्स विभाग पेन-आधार लिंकिंग पर देगा बड़ी राहत!

नई दिल्ली ।

पेन से आधार कार्ड को लिंक करने की 30 जून को अंतिम तारीख थी। कई लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि इनकम टैक्स` विभाग इसकी तारीख को आगे बढ़ाएगा। फिलहाल डेडलाइन को लेकर इनकम टैक्स की तरफ से कोई अपडेट नहीं आया है लेकिन आयकर विभाग ने एक ट्वीट में पैन धारकों द्वारा आधार लिंकिंग के लिए शुल्क के भुगतान के बाद चालान डाउनलोड करने में कठिनाई की रिपोर्ट की गई घटनाओं पर सफाई दी। आयकर विभाग ने अपने ट्वीट में कहा कि ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां देखा गया है कि पैन होल्डर्स को पैन-आधार लिंकिंग के लिए फीस की पेमेंट करने के बाद चालान डाउनलोड करने में दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे मामलों के लिए ये जानकारी दी जा रही है कि इनकम टैक्स पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद ई-पे टैक्स टैब में चालान पेमेंट का स्टेटस चेक किया जा सकता है। अगर पेमेंट सफल रहा है तो पैन होल्डर पैन को आधार से लिंक करने की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकते हैं। ऐसे मामलों में जिनमें पैन कार्ड होल्डर ने पेमेंट कर दिया है और सहमति दे दी है, लेकिन 30 जून तक उनकी लिंकिंग नहीं हुई है, उनके मामलों पर डिपार्टमेंट की ओर से विचार किया जाएगा और उन्हें राहत दी जाएगी। इनकम टैक्स विभाग ने कहा कि पैन से आधार को जोड़ने के लिए चालान रसीद को डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है। पैन होल्डर जैसे ही सक्सेसफुली पेमेंट पूरा करता है, चालान की कॉपी के साथ एक ईमेल उन्हें भेजा जा रहा है। अलग से इसे डाउनलोड करने की जरूरत नहीं है। 30 जून को इसे लिंक कराने की अंतिम तारीख थी। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति इस तारीख तक अपने आधार को पैन से लिंक नहीं करवा पाया है और वह इसे बाद की तारीख में लिंक करना चाहता है, तो आयकर डिपार्टमेंट को जुर्माना भुगतान के बाद, दोनों को लिंक किया जा सकता है।

भारत पेट्रोलियम ने चंडीगढ़ को जीरो कैश सिटी बनाने का किया फैसला

- 15 अगस्त तक चंडीगढ़ को 100 प्रतिशत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने का लक्ष्य

चंडीगढ़ ।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने चंडीगढ़ को अब जीरो कैश सिटी बनाने का फैसला किया है। शहर के उपभोक्ता लेन-देन को 100 प्रे तिशत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लेकर आया है। इसके लिए कंपनी ने 1 जुलाई 2023 से मेगा डिजिटल अभियान शुरू किया है। 15 अगस्त 23 तक चंडीगढ़ में सभी उपभोक्ता लेनदेन को 100 प्रे तिशत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। इस पहल का बड़ा उद्देश्य डिजिटल भुगतान और बुकिंग सुविधाओं को अपनाकर ग्राहकों की सुविधा बढ़ाना है। इस पहल की शुरुआत बीपीसीएल हैड एलपीजी नॉर्थ रंजन नायर ने स्टेट हैड एलपीजी पंजाब, एचपी के साथ की। इस मौके पर जम्मू-कश्मीर के मैनाक मुखर्जी और क्षेत्रीय प्रबंधक लालडू पंकज राठौड़ भी मौजूद रहे। इस दौरान बीपीसीएल हैड एलपीजी नॉर्थ नायर ने सभी एलपीजी उपभोक्ताओं से बुकिंग और भुगतान के डिजिटल साधनों को अपनाने का आग्रह किया। ऑनलाइन भुगतान करने और भारत गैस सिलेंडर को डिजिटल रूप से बुक करने के लिए बीपीसीएल ने एमेजोन, पेटीएम, गूगल-पे, फोन-पे, बीपीसीएल के एआई सक्षम चैटबोट ऊर्जा जैसे सभी प्रमुख प्लेटफार्मों पर भुगतान और बुकिंग सुविधाएं प्रदान की हैं जो ग्राहकों के डिजिटल अनुभव को बढ़ाती है। ऊर्जा देश के तेल और गैस उद्योग में पहला एआई-संचालित चैटबॉट है। जीरो कैश सिटी के लॉन्च में वितरकों और उपभोक्ताओं का जोश और भागीदारी बहुत अधिक दिखाई दे रही थी। कंपनी की वेबसाइट और व्हाट्सएप नंबर के साथ एकीकृत ऊर्जा चैटबोट द्वारा प्रदान की जाने वाली एलपीजी सेवाएं इस प्रकार हैं। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग।एलपीजी सिलेंडर की कीमत और एलपीजी सिलेंडर के भुगतान के बारे में जानें। बुक किए गए एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी स्थिति और रीफिल इतिहास। एलपीजी वितरक बदलें। मोबाइल नंबर अपडेट करें। भारत गैस वितरकों से मैकेनिक सेवाओं जैसी सेवाओं का अनुरोध करें। डबल बोतल कनेक्शन का अनुरोध करें आपातकालीन एवं शिकायतें, प्रतिक्रियाए इत्यादि।

ईरान चीन, रूस के साथ शंघाई गठबंधन में होगा शामिलः रूसी विदेश मंत्री

नई दिल्ली ।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि ईरान को चीन, रूस और मध्य एशियाई देशों के साथ क्षेत्रीय शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य के रूप में औपचारिक रूप से मंजूरी दी जाएगी। लावरोव ने मॉस्को में एससीओ केंद्र के उदघाटन के मौके पर कहा कि 4 जुलाई को राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में ईरान की पूर्ण सदस्यता को मंजूरी दी जाएगी। ईरान ने हाल के महीनों में अपने अलगाव को कम करने, अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार करने और परियोजना की ताकत बढ़ाने के लिए दोस्तों और दुश्मनों के साथ समान रूप से अपनी कूटनीति तेज कर दी है। एससीओ की सदस्यता पहले से ही कार्ड पर थी और ईरान को भी जल्द ही एक अन्य समूह में स्वीकार किए जाने की उम्मीद है जिसमें पश्चिमी देशों को शामिल नहीं किया गया है। एससीओ, जिसका मुख्यालय चीन में है, एक राजनयिक संगठन है जिसमें भारत और पाकिस्तान सहित आठ सदस्य हैं। क्रेमलिन सहयोगी बेलारूस भी शामिल होने के लिए आवेदन कर रहा है और लावरोव ने कहा कि अगले सप्ताह का आभासी शिखर सम्मेलन उस सदस्यता को आगे बढ़ाने के लिए प्रक्रिया शुरू करेगा।

जून में एफपीआई का निवेश 10 महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में भारतीय इक्विटी में 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह राशि पिछले 10 महीने में सबसे अधिक है। एक वित्तीय परामर्श कंपनी ने हालांकि कहा कि जुलाई में निवेश कम हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की हालिया टिप्पणियों से एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं। एफपीआई आगे चलकर थोड़ा सतर्क हो सकते हैं, क्योंकि देश में मूल्यांकन अल्पकालिक नजरिए से थोड़ा अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक जून में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 47,148 करोड़ रुपए का निवेश किया। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इक्विटी में एफपीआई निवेश मई में 43,838 करोड़ रुपए, अप्रैल में 11,631 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए था। इससे पहले एफपीआई ने जनवरी और फरवरी में इक्विटी से शुद्ध रूप से 34,000 करोड़ रुपए निकाले थे।

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार, फिर भी ज्यादा महंगाई

- लाखों लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में वेनेजुएला से पलायन कर गए

नई दिल्ली ।

दक्षिण अमेरिका देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। एक अनुमान के मुताबिक इस देश में दुनिया के कुल क्रूड रिजर्व का 18.2 फीसदी हिस्सा है। यहां पेट्रोल की कीमत दुनिया में सबसे कम है। एक लीटर पेट्रोल के लिए आपको केवल 0.02 डॉलर यानी 1.65 रुपए खर्च करने होंगे। यानी वेनेजुएला में आपको 35 लीटर की टंकी फुल करने के लिए 57.75 रुपये खर्च करने होंगे। कभी यह देश दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार था। लेकिन आज इसकी पहचान दुनिया में एक ऐसे देश के तौर पर है जहां सबसे ज्यादा महंगाई है। खाने-पीने की चीजों की कीमत आसमान छू रही है। हालत यह है कि देश के लाखों लोगों को भूखे पेट सोना पड़ रहा है। लाखों लोग बेहतर जिंदगी की तलाश में वेनेजुएला से पलायन कर गए हैं। वेनेजुएला में खाने-पीने की चीजें इतनी महंगी हैं कि अमीर लोगों के लिए भी दो जून की रोटी जुटाना भारी पड़ रहा है। कई गरीब लोग तो पेट भरने के लिए कचरे में पड़ी जूठन को खाने के लिए मजबूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वेनेजुएला में महंगाई की दर 429 फीसदी है। यह दुनिया में सबसे अधिक है। भारत में यह 4.25 फीसदी है। यानी भारत की तुलना में वेनेजुएला में महंगाई 100 गुना से ज्यादा है। 1990 के दशक में वेनेजुएला साउथ अमेरिका का पावरहाउस हुआ करता था। 1997 में जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन साउथ अमेरिका के दौरे पर निकले थे तो उनका पहला पड़ाव वेनेजुएला ही था। लेकिन 1999 में ह्यूगो शावेज के राष्ट्रपति बनने के बाद देश में समाजवादी व्यवस्था लागू हुई।

(शेयर बाजार समीक्षा) वैश्विक और एफआईआई के रुख से तय होगी बाजार की चाल

- रुपए के प्रदर्शन, कच्चे तेल की कीमत और डीआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी

मुंबई ।

बीते सप्ताह 2.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर ऊंचाई के नए शिखर पर पहुंचे घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह चाल निर्धारित करने में वैश्विक घटनाक्रम, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुख और वाहन बिक्री आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1739.19 अंक (2.8 प्रतिशत) की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 64718.56 अंक के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 523.55 अंक (2.8 प्रतिशत) की तेजी लेकर 19189.05 अंक के नए शिखर पर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 798.86 अंक अर्थात 2.9 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 28776.20 अंक स्मॉलकैप 611.96 अंक (9 प्रतिशत) चढ़कर 32602.14 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के उम्मीद से अधिक दो प्रतिशत रहने और बेरोजगारी काम होने से वैश्विक अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की उम्मीद बढ़ी है। इसके साथ ही इस सप्ताह रूस यूक्रेन संकट के अलावा अन्य वैश्विक घटनाक्रम पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपए के प्रदर्शन, कच्चे तेल की कीमत और एफआईआई एवं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी। एफआईआई जून में कुल 27,250.01 करोड़ रुपए के लिवाल रहे। इसी तरह डीआईआई का कुल निवेश 4,458.23 करोड़ रुपए रहा।

घरेलू स्तर पर अगले सप्ताह जून में वाहनों की हुई बिक्री के आंकड़े आने वाले हैं। साथ ही मई में आठ बुनियादी उद्योग के उत्पादन, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह के जारी हो चुके आंकड़े के साथ ही एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के विलय की भी इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में अहम भूमिका रहेगी। हालांकि इस सप्ताह बाजार में ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली होने की भी संभावना है।

जीएसटी कलेक्शन 1.60 लाख करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली ।

जून में जीएसटी संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 1.61 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वित्त मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है। खास बात है कि 6 साल पहले 1 जुलाई, 2017 को जीएसटी कर व्यवस्था लागू होने के बाद से सकल कर संग्रह चौथी बार 1.60 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि 2021-22, 2022-23 और 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह क्रमशः 1.10 लाख करोड़ रुपए 1.51 लाख करोड़ रुपए और 1.69 लाख करोड़ रुपए है। बयान में कहा गया कि जून 2023 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,61,497 करोड़ रुपए है। इसमें केंद्रीय जीएसटी 31,013 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 38,292 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी 80,292 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 39,035 करोड़ रुपए सहित) है। इसके अलावा उपकर 11,900 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्र 1,028 करोड़ रुपए सहित) है। राजस्व संग्रह जून 2023 में पिछले साल के इसी महीने के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक है। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से राजस्व सालाना आधार पर 18 प्रतिशत अधिक रहा। इससे पहले अप्रैल में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मई में यह 1.57 लाख करोड़ रुपए था।

वहीं नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का मुनाफा 2022-23 में बढ़कर 1.04 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2014 के 36,270 करोड़ रुपए की तुलना में तीन गुना है।

मप्र सरकार ने केले की खेती करने वाले किसानों को दी राहत

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश सरकार ने चुनावी साल में केले की खेती करने वाले किसानों को राहत देने का फैसला किया है। कैबिनेट की हालिया बैठक में केला किसानों के फसल नुकसान का मुआवजा दोगुना करने का निर्णय लिया गया। इससे किसानों को कुछ हद तक राहत मिलेगी लेकिन केले की फसल का बीमा किए जाने की उनकी मांग अब भी अधूरी है। कैबिनेट ने रेवेन्यू बुक सर्कुलर में संशोधन करके केले की फसल के नुकसान पर दिए जाने वाले मुआवजे को बढ़ाने का निर्णय लिया है। फसल को 25-33 फीसदी नुकसान होने पर 30,000 रुपए प्रति हेक्टेयर, 33-50 फीसदी नुकसान पर 54,000 रुपए प्रति हेक्टेयर और 50 फीसदी से अधिक नुकसान पर दो लाख रुपए प्रति हेक्टेयर देने की बात कही गई है। फसल नुकसान पर अधिकतम मुआवजे की सीमा भी पहले के 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 6 लाख रुप, कर दी गई है।

मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र में केले की खेती की जाती है और पश्चिम एशिया के देशों में केले का निर्यात भी किया जाता है। इनमें मुख्य रूप से धार, बड़वानी और बुरहानपुर आदि जिले आते हैं। बताया जा रहा है कि अप्रैल में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण कई जगह पर केले की फसल को नुकसान पहुंचा था। उस समय केला पककर तैयार हो गया था।

विश्व कप 2023 के लिए श्रीलंका ने किया क्वालीफाई, जिम्बाब्वे को दी नौ विकेट से मात

हरारे (एजेंसी)। श्रीलंका की टीम ने शनिवार को आईसीसी विश्व कप के क्वालीफायर ईवेंट में दमदार प्रदर्शन करने के बाद विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। श्रीलंका की टीम ने क्वालीफायर इवेंट में अपने शानदार और अजेय प्रदर्शन की बदौलत आईसीसी विश्व कप की टॉप 10 टीमों में अपनी जगह बना ली है। सुपर सिक्स मुकाबले में श्रीलंका ने मेजबान जिम्बाब्वे को जोरदार तरीके से हराया।

इस जीत के बाद अब श्रीलंका भारत में 5 अक्टूबर से होने वाले विश्व कप टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। इस मुकाबले में दिन की शुरुआत में ही श्रीलंका की टीम ने टॉस जीतकर मैच पर अपना कब्जा कर लिया। दिलशान मदुशंका और महेश थीक्षाना ने जिम्बाब्वे पर ऊपर हावी होकर उन्हें महज 165 रनों के छोटे स्कोर पर ही समेट दिया और बड़ा स्कोर करने का मौका नहीं दिया।

इसके बाद घरेलू टीम के पास करने के लिए कुछ नहीं था, और बाद में सलामी बल्लेबाजों की शतकीय साझेदारी के कारण पूरी तरह से बंद हो गई। श्रीलंका की टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन किया। श्रीलंका के बल्लेबाजों पथुम निसांका ने अपने नाबाद शतक के साथ अकेले ही मोर्चा संभाला और केवल 33.1 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट से जीत हासिल की।

क्वालीफायर के लिए मुकाबले में मदुशंका ने श्रीलंका के लिए नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया और कप्तान दासुन शनाका के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराया। उन्होंने अपने शुरुआती स्पैल में तीन विकेट लिए। हालांकि चौथे विकेट के लिए जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स और सिकंदर रज़ा की जोड़ी ने अच्छा खेल दिखाया। उनकी 68 रन की साझेदारी के रास्ते में, पूर्व खिलाड़ी ने अपना अर्धशतक भी पूरा किया, लेकिन शनाका ने सफलता प्रदान की, इससे पहले थीकशाना ने 25 रन देकर 4 विकेट लेकर मध्य और निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया।

इस जीत के साथ श्रीलंका भारत में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली नौवीं टीम है। इस टूर्नामेंट के लिए अब सिर्फ एक टीम की जगह बची है। जिम्बाब्वे को अब अपना भाग्य अगले हफ्ते स्कॉटलैंड के खिलाफ अपने अंतिम सुपर सिक्स मैच के नतीजे पर निर्भर करना होगा।

शनाका ने मैच के बाद कहा कि क्वालीफायर में आना हमेशा कठिन होता है। लेकिन फिर भी यदि आप इस प्रक्रिया से गुजरते हैं, जिस टीम के साथ हम यहां आए हैं, तो हम जानते हैं कि हम क्वालीफाई करने जा रहे हैं।

नीरज ने संकेत दिया कि अब 19 अगस्त से शुरू होने वाले बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में भाग लेंगे

लुसाने (एजेंसी)। डायमंड लीग के लुसाने चरण में शीर्ष पर रहने वाले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने संकेत दिया कि वह अब सीधे विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करते हुए दिखेंगे जो 19 अगस्त से बुडापेस्ट में शुरू होगा। चोपड़ा इस दौरान किसी और प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे। चोट के कारण लगभग एक महीने तक खेल से दूर रहे चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण में शुक्रवार को 87.66 मीटर की दूरी के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने मौजूदा सत्र में पांच मई को दोहा में हुए शुरुआती डायमंड लीग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। लुसाने में जीत दर्ज करने के बाद चोपड़ा ने कहा, '' मेरे लिए बुडापेस्ट में होने वाली अगली प्रतियोगिता काफी बड़ी होगी।''

उन्होंने कहा, '' मैं यहां जीतना चाहता था इसलिए मैं नतीजे से बहुत खुश हूं लेकिन मैं फिर से अभ्यास करना चाहता हूं। मैंने कुछ खामियों को महसूस किया है और उसमें सुधार करना चाहता हूं। इससे मेरा खेल मजबूत होगा। '' उन्होंने लुसाने को अपने के लिए अच्छी किस्मत वाला शहर करार दिया। उन्होंने कहा, '' लुसाने मेरे लिए हमेशा अच्छा रहा है। पिछले साल भी मैंने यहां जीत दर्ज की थी और इस साल भी ऐसा ही हुआ। इसलिए मैं अगले साल फिर से आने और फिर से जीतने की उम्मीद कर रहा हूं।'' बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप का पुरुषों का भाला फेंक क्वालिफिकेशन राउंड 25 अगस्त को निर्धारित है। इसमें अभी 50 से अधिक दिन का समय है। चोपड़ा अगर उससे पहले किसी स्पर्धा में हिस्सा नहीं लेते है तो वह डायमंड लीग के दोहा और लुसाने चरणों जैसे सिर्फ दो बड़ी स्पर्धाओं में भाग लेने के बाद विश्व चैंपियनशिप में जाएंगे।

चोपड़ा ने अपनी अगली प्रतियोगिता के रूप में स्पष्ट तरीके से विश्व चैंपियनशिप का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया, लेकिन बुडापेस्ट में 19 से 27 सितंबर तक होने वाली चैम्पियनशिप से पहले डायमंड लीग का मोनाको चरण (21 जुलाई) के अलावा कोई बड़ा आयोजन नहीं है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के एक शीर्ष अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि चोपड़ा पिछले महीने मांसपेशियों में आए खिंचाव से पूरी तरह उबर गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें तीन शीर्ष स्पर्धाओं (विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिताओं) में भाग नहीं लिया था। इस अधिकारी ने कहा, ''वह पूरी तरह से फिट हैं। मुझे लगता है कि वह (विश्व चैंपियनशिप से पहले) प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। शायद, वह विश्व चैंपियनशिप पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।'' चोपड़ा ने 2022 विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था।

कमिंस ने पिंडली की चोट के साथ बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था: लियोन

बुलावायो (एजेंसी)। लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर नाथन लियोन को यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट के दौरान उनके कप्तान पैट कमिंस ने पिंडली की चोट के कारण बल्लेबाजी नहीं करने को कहा था लेकिन यह अनुभवी ऑफ स्पिनर टीम के अपने साथियों का समर्थन करने के लिए बल्लेबाजी करने उतरा। अपना लगातार 100वां टेस्ट खेल रहे लियोन को लार्ड्स में दूसरे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन के खेल के दौरान कैच लेने के प्रयास में दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी थी। शनिवार को हालांकि वह मैच के चौथे दिन बल्लेबाजी करने उतरे और मिशेल स्टार्क के साथ अंतिम विकेट के लिए 15 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त को 370 रन तक पहुंचाया।

लियोन चार रन बनाकर आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 279 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 114 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। लियोन ने रविवार को 'सेन रेडियो' से कहा, ''पैट (कमिंस) ने शुरुआत में मुझे कहा था कि मैं बल्लेबाजी के लिए नहीं जाऊंगा।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैंने (मुख्य कोच) एंड्रयू मैकडोनाल्ड और हमारी मेडिकल टीम से बात की और यह जानने का प्रयास किया कि मैं क्रीज पर कैसे उतर सकता हूं।'' ऑस्ट्रेलिया की ओर से 121 टेस्ट खेलने वाले लियोन ने कहा कि टीम के फिजियो के प्रयास से वह दूसरी पारी में 13 गेंद खेलने में सफल रहे। लियोन के नाम 496 टेस्ट विकेट दर्ज हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने फिजियो के साथ और पैर में टेप बांधकर यहां लार्ड्स में जिम में काफी समय बिताया जिससे कि क्रीज पर उतरने का प्रयास कर सकूं।''

पीसीबी ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए केन्द्र सरकार से मांगी मंजूरी

लाहौर : (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोड (पीसीबी) ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की खातिर भारत आने के लिये प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आधिकारिक मंजूरी मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पत्र में सलाह मांगी गई है कि पाकिस्तान टीम को भारत की यात्रा करने की अनुमति है या नहीं और क्या पाकिस्तानी सरकार टोह लेने के लिए एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजना चाहती है।

पाकिस्तान को अपने 9 लीग मैच पांच आयोजन स्थलों पर खेलने हैं। पीसीबी ने पाकिस्तान सरकार से पूछा है कि उसे इन आयोजन स्थलों से कोई आपत्ति है या नहीं। पीसीबी ने 26 जून को पत्र को एक आवश्यक कदम के रूप में लिखा था क्योंकि किसी भी अन्य देश के दौरे के विपरीत, भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत दौरे के लिए सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है। सरकार के लिए जवाब देने की कोई समय सीमा नहीं है लेकिन पाकिस्तान टीम सरकार की मंजूरी के बिना यात्रा नहीं करेगी।

पीसीबी ने सरकार के साथ पाकिस्तान टीम के 9 लीग मैचों की जानकारी भी साझा की है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाला मैच भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने कहा, 'पिछले मंगलवार को विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा के तुरंत बाद हमने अंतर-प्रांतीय समन्वय (आईपीसी) मंत्रालय के माध्यम से अपने संरक्षक माननीय प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफको लिखा। विदेश मंत्रालय और आंतरिक मंत्रालय को भी पत्र लिखते हुए विश्व कप में भाग लेने की मंजूरी का अनुरोध किया।'

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने 2016 पुरुष टी20 विश्व कप के बाद से भारत का दौरा नहीं किया है। दोनों टीमें एक दशक से किसी भी द्विपक्षीय शृंखला में भी आमने-सामने नहीं आए हैं और सिर्फ आईसीसी एवं एसीसी आयोजनों में मुकाबला करते हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने पहले ही सुझाव दिया था कि वह विश्व कप में टीम की भागीदारी का मूल्यांकन कर रहा है और उचित समय पर पीसीबी को अपने विचार से अवगत कराएगा।

भारत को लेकर सरकार के रुख पर कोई स्पष्ट स्थिति नहीं है, लेकिन हाल ही में विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी लगभग 12 वर्षों में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (साक) शिखर सम्मेलन के लिये भारत का दौरा करने वाले पहले उच्च स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी थे। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ भी चार जुलाई को भारत की मेजबानी में वीडियो-कॉन्फ्रेंस प्रारूप में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) की बैठक में भाग लेने वाले हैं।

पाकिस्तान में सत्तारूढ़ सरकार का कार्यकाल अगस्त में समाप्त होने वाला है इसलिए पीसीबी की भारत यात्रा से जुड़ा फैसला अगली सरकार के आने तक टल सकता है। वर्तमान सरकार संभवतः इस स्तर पर औपचारिक घोषणा नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि 2016 में भी नवाज़ शरीफ़ की सरकार ने पीसीबी को भारत दौरे की मंजूरी अंतिम वक्त पर ही दी थी। पीसीबी ने पाकिस्तान टीम की सुरक्षा के संबंध में भारत सरकार से आश्वासन नहीं मिलने पर टी20 विश्व कप से हटने की धमकी दी थी।

विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए मनु, दिव्यांश और ऐश्वर्य टीम में

ओलंपियन मनु भाकर, दिव्यांश सिंह पंवार और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर आगामी आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के लिए चुनी गयी भारतीय निशानेबाजी टीम में शामिल रहे। हालांकि 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व युवा ओलंपिक चैम्पियन सौरभ चौधरी शनिवार को दो बड़े टूर्नामेंट के लिए घोषित टीम में जगह नहीं बना सके। देश में खेल की संचालन संस्था भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने अगस्त में अजरबेजान के बाकू में होने वाली आगामी विश्व चैम्पियनशिप और सितंबर में चीन के हांगजोऊ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की। शॉटगन टीम की घोषणा पहले ही हो चुकी है। बाकू के लिए 22 सदस्यीय राइफल और पिस्टल रवाना होगी जिसमें 32 पेरिस ओलंपिक कोटे दाव पर लगे होंगे जबकि 21 सदस्यीय टीम हांगजोऊ जायेगी।मौजूदा पुरुष 10 मीटर एयर राइफल विश्व चैम्पियन रूद्रांक्ष पाटिल को चयन मापदंड में पेरिस कोटा विजेता के आधार पर एशियाई खेलों की टीम में शामिल किया गया। हांगजोऊ के लिए आशी चौकसे ने महिला एयर राइफल टीम में तिलोत्मा सेन की जगह ली। वह महिला राइफल की दोनों स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी क्योंकि शीर्ष तीन महिला एयर राइफल निशानेबाजों में से कोई भी थ्री पाजिशंस (3पी) में जगह नहीं बना सकी। एशियाई खेलों में पुरुष और महिल राइफल स्पर्धाओं में प्रत्येक में केवल पांच प्रविष्टियों को ही अनुमति दी जाती है। बाकी चयन ग्रुप ए राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल 5 और 6 के बाद की रैंकिंग के आधार पर हुआजो शुक्रवार को यहां डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खत्म हुए। लंबी समय बाद भारतीय टीम में वापसी करने की कोशिश कर रहे चौधरी ट्रायल्स का हिस्सा थे, लेकिन जगह नहीं बना सके।

चीन ने जीता महिला बास्केटबॉल एशिया कप का खिताब, पांच बार के चैंपियन जापान को हराया

सिडनी (एजेंसी)। चीन ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रविवार को यहां रोमांचक फाइनल में पांच बार के गत चैंपियन जापान को 73-71 से हराकर 2012 के बाद पहला महिला बास्केटबॉल एशिया कप खिताब जीता। मध्यांतर के समय चीन की टीम पिछड़ रही थी और ऐसा लग रहा था कि गत चैंपियन टीम के खिलाफ फाइनल में उसे लगातार तीसरी बार हार का सामना करना पड़ेगा।

जापान ने पहले हाफ में अंतिम 14 अंक जुटाए और मध्यांतर तक टीम ने नौ अंक की बढ़त बना रखी थी। शू हेन ने तीसरे क्वार्टर में हालांकि चीन को लय दिलाई और टीम क्वार्टर के अंतिम लम्हों में बढ़त बनाने में सफल रही। चीन की टीम इसके बाद स्वर्ण पदक के लंबे इंतजार को खत्म करने में सफल रही। शू ने मैच में 26 जबकि सियू वैंग ने 17 अंक जुटाए।

जापान की ओर से माकी तकादा ने 17 जबकि साकी हयाशी ने 12 अंक हासिल किए। इससे पहले शनिवार को मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 81-59 से हराकर लगातार तीसरी बार कांस्य पदक जीता।

भारत सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचा, कुवैत से होगी भिड़ंत

बेंगलुरु। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां लेबनान को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर सैफ चैम्पियनशिप फाइनल में प्रवेश किया। अब चार जुलाई को फाइनल में मेजबान टीम का सामना कुवैत से होगा जिसने दूसरे सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 1-0 से पराजित किया। भारतीय टीम ने लगातार सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाई। भारत और लेबनान निर्धारित समय के बाद एक्स्ट्रा टाइम में भी गोल नहीं कर सकीं जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम के लिए करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री, अनवर अली, नाओरेम महेश सिंह और उदांता सिंह कुमाम ने गोल किए। वहीं लेबनान के लिए वालिद शऊर और मोहम्मद सादेक ही गोल कर सके जबकि हसन मातोक और खलील बदेर चूक गए।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नये रूप में शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली।(एजेंसी)। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नये अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दों और टीम मालिकों के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित करने की योजना बनाई है।

हॉकी इंडिया ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से अगले साल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए विंडो (समय) की मांग की है और वह इस खेल के वैश्विक निकाय से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। टिर्की ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, '' हमें अभी तक कोई विंडो नहीं मिली है, लेकिन हमने एफआईएच से एक विंडो मांगी है। हमने ओलंपिक के बाद अगले साल दिसंबर या 2025 जनवरी में एक विंडो मांगी है।'' उन्होंने कहा, '' हमें अब भी एफआईएच से आधिकारिक जवाब का इंतजार है। उन्होंने कहा, ''हम इस बार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एचआईएल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

पहले यह सिर्फ पुरुषों के लिए होता था लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी महिला खिलाड़ियों को भी अनुभव मिले।'' हॉकी इंडिया की योजना इस लीग को पुरुष वर्ग में आठ टीमों और महिला वर्ग में चार टीमों के साथ कराने की है। हॉकी इंडिया ने इस लीग के वाणिज्यिक और विपणन भागीदार के तौर पर 'बिग बैंग मीडिया वेंचर्स' से करार किया है। टिर्की ने कहा, '' एचआईएल से देश के युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के खेल का अनुभव मिलेगा। यह उनके लिए बड़ा मंच होगा क्योंकि दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से बहुमूल्य अनुभव मिलेगा।'' पता चला है कि लीग की भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए हॉकी इंडिया पांच जुलाई को अपने वाणिज्यिक भागीदारों सहित खेल के सभी हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित करेगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी पुष्टि की कि एचआईएल को अगले साल एक नये तरीके से पेश किया जाएगा और राष्ट्रीय महासंघ लीग को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। भोला नाथ ने कहा, ''एचआईएल हमारे बच्चे की तरह है और हम इसे बड़े पैमाने पर वापस लाना चाहते हैं। यह हमारे चुनावी एजेंडे में से एक था और हम इसे सफल बनाने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं।'' एचआईएल की शुरुआत 2013 में छह टीमों के साथ हुई थी। इसे जनवरी और फरवरी के महीने में खेला जाता था।

बैडमिंटन जूनियर एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम होगी इंडोनेशिया के लिए रवाना

पंचकूला। भारत की 18 सदस्यीय बैडमिंटन टीम यहां ताऊ देवीलाल स्टेडियम में दो सप्ताह के कड़े प्रशिक्षण शिविर के बाद जूनियर एशिया चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मंगलवार को इंडोनेशिया के लिए रवाना होगी। इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का आयोजन सात से 16 जुलाई तक इंडोनेशिया के योग्यकार्ता में होगा। चौदह दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान खिलाड़ियों को खेल और फिटनेस प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा।

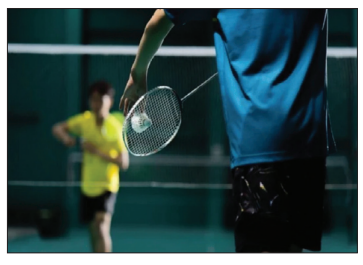

इस शिविर का आयोजन आरईसी लिमिटेड, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने मिलकर किया था। बीएआई महासचिव संजय मिश्रा ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''इस दो सप्ताह के प्रशिक्षण शिविर ने टूर्नामेंट से पहले अच्छी तैयारी करने में मदद की है। मुझे विश्वास है कि इस शिविर ने टीम को एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जानने में भी मदद की है।'' भारतीय टीम टूर्नामेंट में ग्रुप सी में है। इस ग्रुप में मलेशिया, बांग्लादेश और हांगकांग की टीमें भी है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेगी। भारत ने अतीत में दो स्वर्ण पदक, एक रजत पदक और एक कांस्य पदक जीता है। पीवी सिंधू ने 2012 जबकि लक्ष्य सेन ने 2108 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम-बालक एकल- लक्ष्य शर्मा, समरवीर, आयुष शेट्टी और ध्रुव नेगी। बालिका एकल- रक्षिता श्री एस, श्रियांशी वलीशेट्टी, तारा शाह और अनमोल खरब। बालक युगल- निकोलस नाथन राज/तुषार सुवीर और दिव्यम अरोड़ा/मयंक राणा। बालिका युगल- राधिका शर्मा/तन्वी शर्मा और कर्णिका श्री एस/तनिषा सिंह। मिश्रित युगल- समरवीर/राधिका शर्मा और अरुलमुर्गन आर/श्रीनिधि एन।

मुझे चयनकर्ताओं से कोई शिकायत नहीं...मैं अपना बेहतर प्रदर्शन जारी रखूंगा: जैक्सन

मुंबई (एजेंसी)। रणजी में बढ़िया प्रदर्शन के बाद भी टीम इंडिया में जगह न मिल पाने की बात लंबे समय से भारतीय क्रिकेट गलियारों में चल रही है। बीते दिनों जब विंडीज के खिलाफ टीम इंडिया का चुनाव हुआ तब उसमें सरफराज खान का नाम न आने के कारण यह चर्चाएं एक बार फिर से प्रखर हो गई हैं। इसी बीच 37 साल के घरेलू क्रिकेटर शैल्डन जैक्सन का कहना है कि उन्होंने अभी भी हार नहीं मानी है। मैं मेहनत करता रहूंगा और धोनी और दिनेश कार्तिक से प्रेरणा लेकर घरेलू टीम से बढ़िया प्रदर्शन करना जारी रखने वाला हूं।

सौराष्ट्र की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले जैक्सन ने 2011 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था। तब से वह 6600 से अधिक रन बना चुके हैं। वह विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बढ़िया प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद अभी तक टीम इंडिया के दरवाजे उनके लिए खुले नहीं है। जैक्सन ने अगस्त 2022 में अपने आधिकारिक ट्विटर प्रोफाइल पर लिखा था कि मुझे यह विश्वास करने और सपने देखने का अधिकार है कि अगर मैंने लगातार 3 सीजन में प्रदर्शन किया है, तब मुझे मेरे प्रदर्शन के आधार पर चुना जाए। मैं यह सुनकर थक गया हूं कि मैं एक अच्छा खिलाड़ी और कलाकार हूं लेकिन मैं बूढ़ा हो गया हूं। मैं 75 का नहीं 35 का हूं।

फिलहाल जैक्सन ने अब कहा है कि वह दिनेश कार्तिक और एमएस धोनी से प्रेरणा लेते हैं। मैं केकेआर में कार्तिक के साथ था और मैंने उनका पूरा बदलाव देखा है। वह मेरे लिए एक सच्ची प्रेरणा हैं और मेरे करियर के जिस पड़ाव पर मैं हूं, वह मेरे लिए एक प्रेरणा हैं। जैक्सन ने कहा कि अगर मुझमें क्रिकेट न होती तो मैं 100 प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेल पाता। यदि आपको ऐसा मौका नहीं मिलता है जिससे आप प्रभाव छोड़ सकें तो मैं कभी भी किसी के चयन पर टिप्पणी नहीं कर सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंधकार से प्रकाश का पर्व

गुरू पुर्णिमा

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अवतार वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इन्होंने महाभारत आदि कई महान ग्रंथों की रचना की। कौरव, पाण्डव आदि सभी इन्हें गुरु मानते थे इसलिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा व व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन गुरु की पूजा कर सम्मान करने की परंपरा प्रचलित है। हिंदू धर्म में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुरु के देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

अगर हम प्राचीन ग्रंथो और शास्त्रों का अध्ययन करें तो, आज भी हमें गुरु महिमा का मार्मिक वर्णन मिलता है। मुलतः गुरु शब्द दो अक्षरों का मिलाकर बनाया गया है गु और रु। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ अंधकार का हटाने वाला बताया गया है। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है, अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण कर, धर्म का मार्ग दिखाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

भारत भर में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। पारंपरिक रूप से शिक्षा देने वाले विद्यालयों में, संगीत और कला के विद्यार्थियों में आज भी यह दिन गुरू को सम्मानित करने का होता है। मंदिरों में पूजा होती है, पवित्र नदियों में स्नान होते हैं, जगह जगह भंडारे होते हैं और मेले लगते हैं।

गुरू पूर्णिमा की महिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से जुडी हैं। शास्त्रों में गुरु पूजा का विधान आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ही है। गुरू पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर चारो तरफ ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी, चारो तरफ हरियाली और वर्षा की छोटी छोटी बुंदों का चारो तरफ आनंद ही आनंद रहता है। इसलिए ये महिने अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरुचरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है -

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णु- गुरुदेव महेश्वर। गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नम।।

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। वैसे तो गुरु तत्व की प्रशंसा सभी शास्त्रों में की गई है। ऐसा माना जाता है कि, ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई भी प्रकार का मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका है। सभी धर्मों में गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आदर सम्मान के दृष्टीकोण से हर गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर सम्मान एवं पूजा सहित सम्पुर्ण मान दिया है। भारत के बहुसम्प्रदाय धर्म तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं। गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों का श्रद्धा से पालन करना और उन्ही नियमों पर चलना संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य और धर्म है। गुरु का कार्य सिर्फ उनके शिष्यों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना ही नही बल्कि नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

गुरु की भूमिका भारत में केवल सिर्फ आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को समय पर उचित सलाह देकर, इस देश को विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से ही गुरु का शिष्य का हर क्षेत्र में मार्गदर्शित योगदान रहा है। अतः सद्गुरु की इसी महिमा के कारण उनका व्यक्तित्व हमेशा माता-पिता से ऊपर रहा है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी होनी चाहिए। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

संत कबीर ने यहाँ तक कहा है कि, भगवान के रूठने पर गुरू की शरण हमारी रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना असम्भव है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है। उस श्री गुरु से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थर-थर काँपती हैं। त्रोलोक्यपति भी गुरू का गुणनान करते है। ऐसे गुरू के रूठने पर कहीं भी ठौर ठीकान नहीं मिल सकता है। सद्गुरु की महिमा बहुत अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं बल्कि अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। अतः सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, इनके सामने हम जैसे मनुष्य की बिसात क्या। इसी के साथ दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

गुरुदेव हमारे कर्मों के दाता

चारों वेदों के व्याख्याता गुरु व्यास थे. हमें वेदों का दान देने वाले व्यास जी ही हैं. इसलिए वो हमारे आदि गुरु हुए. गुरु पूर्णिमा के दिन ही ऋषि व्यास का भी जन्मदिन मनाया जाता है. उन की स्मृति को ताजा रखने के लिए हमें अपने गुरु को व्यास जी का ही अंश मान कर सम्मानपूर्वक उन की पूजा करनी चाहिए. गुरु की कृपा से ही विद्या की प्राप्ति होती है.

गुरु के महत्व को हमारे सभी संतो, ऋषियों एवं महान विभूतियों ने उध स्थान दिया है. संस्कृत में गु का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान)एवं रु का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं.

हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं. जो हमारा पालन-पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुआती आवश्यकताओं को सिखाते हैं. अतः माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है. जीवन का विकास सुचारू रूप से चलता रहे, उसके लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है. भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है.

मानव मन में व्याप्त बुराई रूपी विष को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान है. महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था. वे अपने परिवार कापालन पोषण करने हेतु दस्युकर्म करते थे. महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, ये तभी संभव हो सका, जब गुरू रूपी नारद जी ने उनका हृदय परिवर्तित किया. मित्रों, पंचतंत्र की कथाएं हम सब ने सुनी है. नीति कुशल गुरू विष्णु शर्मा ने किस तरह राजा अमरशक्ति के तीनों अज्ञानी पुत्रों को कहानियों एवं अन्य माध्यमों से उन्हें ज्ञानी बना दिया.

गुरु शिष्य का संबंध सेतु के समान होता है. गुरू की कृपा से शिष्य के लक्ष्य का मार्ग आसान होता है.

स्वामी विवेकानंद जी को बचपन से परमात्मा को पाने की चाह थी. उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उनको गुरु परमहंस का आशीर्वाद मिला. गुरु की कृपा से ही आत्म साक्षात्कार हो सका. छत्रपति शिवाजी पर अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास का प्रभाव हमेशा रहा.

गुरु द्वारा कहा एक शब्द या उनकी छवि मानव की कायापलट सकती है. कबीर दास जी का अपने गुरु के प्रति जो समर्पण था, उसको स्पष्ट करना आवश्यक है क्योंकि गुरु के महत्व को सबसे ज्यादा कबीर दास जी के दोहों में देखा जा सकता है. एक बार रामानंद जी गंगा स्नान को जा रहे थे, सीढी उतरते समय उनका पैर कबीर दास जी के शरीर पर पड गया. रामानंद जी के मुख से राम-राम शब्द निकल पडा. उसी शब्द को कबीर दास जी ने दीक्षा मंत्र मान लिया और रामानंद जी को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया. ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि जीवन में गुरु के महत्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मियता से किया है.

गुरू गोविंद दोऊ खडे काके लागू पांव
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय.

गुरू का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ है. हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आचार्य चाणक्य ऐसी महान विभूती थे, जिन्होंने अपनी विद्वता और क्षमताओं के बल पर भारतीय इतिहास की धारा को बदल दिया। गुरू चाणक्य कुशल राजनितिज्ञ एवं प्रकांड अर्थशास्त्री के रूप में विश्व विख्यात हैं। उन्होने अपने वीर शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शासक पद पर सिहांसनारूढ करके अपनी जिस विलक्षंण प्रतिभा का परिचय दिया उससे समस्त विश्व परिचित है। गुरु हमारे अंतर मन को आहत किये बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से मिलता है। पुरातन काल से चली आ रही गुरु महिमा को शब्दों में लिखा ही नही जा सकता। संत कबीर भी कहते हैं कि

सब धरती कागज करू, लेखनी सब वनराज।
सात समुंद्र की मसि करु, गुरु गुंण लिखा न जाए॥

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने गुरु को सिर्फ याद करने का प्रयास है। गुरू की महिमा बताना तो सूरज को दीपक दिखाने के समान है। गुरु की कृपा हम सब को प्राप्त हो। अंत में कबीर दास जी के निम्न दोहे से अपनी कलम को विराम देते हैं।

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान॥

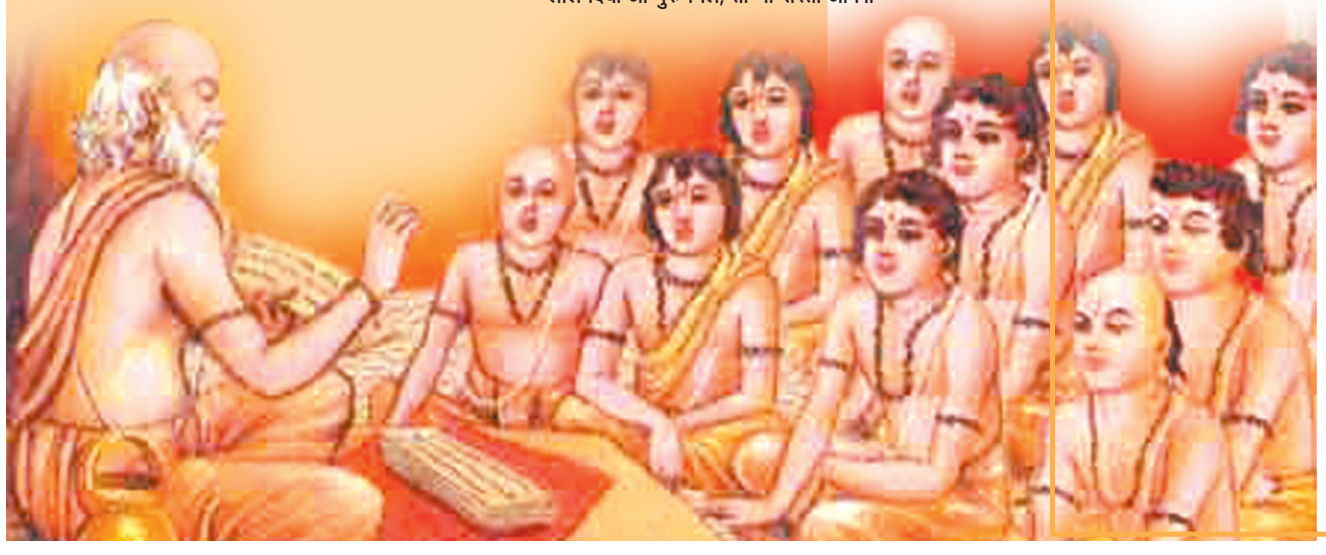

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ़ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुङ्गपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अत- वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतःकरण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ऋषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यासपूर्णिमा मनायी जा रही है। ''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम्। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्ततः अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए। गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए। इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं। घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए। फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए। फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए। अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है? धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्य सब तरह के हैं, जन्मों-जन्मों के अंधेरे को लेकर आ छाए हैं। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है और उसमें शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावतः दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

ट्रक से कुचलकर मरने वालों की संख्या 51 तक पहुंची, 32 घायल

केरिचो । पश्चिमी केन्या में एक सड़क दुर्घटना में ट्रक से कुचलकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है । इसके अलावा 32 लोग घायल बताए जा रहे हैं । यहां की पुलिस ने बताय कि अभी बचाव के प्रयास जारी हैं । मी ?डिया रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार शाम को केरिचो काउंटी में नाकुरू-केरिचो राजमार्ग पर शिपिंग कंटेनर ले जा रहे एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद ट्रक अन्य कारों से टकरा गया और पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ गया । रिफ्ट वैली क्षेत्रीय पुलिस कमांडर टॉम ओडेरो ने शनिवार को कहा हमारे पास अब 51 शव हैं । कई अन्य घायल हो गए हैं और अस्पतालों में हैं । हादसे में कम से कम 32 लोग घायल हैं जिनका इलाज चल रहा है । प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ड्राइवर सड़क पर खड़ी एक मिनीबस से टकराने से बचने की कोशिश कर रहा था, तभी ट्रक नियंत्रण से बाहर हो गया । टकराने से कई मिनी बसें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं । हालांकि भारी बारिश के कारण बचाव कार्य धीमा हो गया । घटनास्थल का दौरा करने वाले सड़क, परिवहन और लोक निर्माण के कैबिनेट सचिव किपचुंबा मुर्कोमेन ने स्थानीय अधिकारियों से त्रासदी के बाद सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उपायों के तहत केरीचो काउंटी के लोंडियानी जंक्शन पर स्पीड बम्प लगाने के लिए कहा । वहीं आंतरिक और राष्ट्रीय प्रशासन के कैबिनेट सचिव किथुर किंडिकी ने देश भर के पुलिस अधिकारियों को यातायात नियमों को लागू करने में तेजी लाने का निर्देश दिया । जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से अब तक दुर्घटनाओं में 2,124 लोगों की मौत हो चुकी है । राष्ट्रीय परिवहन और सुरक्षा प्राधिकरण के अनुसार, राजमार्गों पर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य और निजी क्षेत्र के ठोस प्रयासों के बावजूद केन्या में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में अनुमानित 3,000 केन्याई मर जाते हैं ।

2 माह बाद फिर नासा ने साधा इनजेन्युटी मार्स हेलीकॉप्टर से संपर्क

वाशिंगटन । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा अपने इनजेन्युटी मार्स हेलीकॉप्टर से पूरे दो माह बाद फिर से संपर्क साध लिया हैं । नासा ने इसकी जानकारी दी है । बता दें कि नासा ने फरवरी 2021 में मंगल ग्रह पर एक मिशन की शुरुआत की थी । मिशन के तहत एक मिनी हेलीकॉप्टर इनजेन्युटी और प्रीजर्वेंस रोवर मंगल ग्रह पर भेजा गया था । इस मिशन की कंट्रोलर नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेट्री(जेपीएल) का 26 अप्रैल को अपने करीब 1.8 किलो वजनी इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया । इंजेन्युटी की 52वीं उड़ान 26 अप्रैल को शुरू हुई, लेकिन कैलिफोर्निया में नासा की जेपीएल में मिशन नियंत्रकों ने दो मिनट, 1,191-फुट (363-मीटर) की उड़ान के बाद इसके सतह पर उतरते ही संपर्क खो दिया । मालूम हो कि मंगल का यह क्षेत्र काफी पथरीला है, इसकारण यहां कोई भी मिशन करना काफी मुश्किलों भरा है । इस कारण यहां कम्युनिकेशन टूटने का भी खतरा रहता है । नासा को भी इसी खतरे की आशंका थी । बहरहाल जेपीएल में इंजेन्युटी टीम के प्रमुख जोश एंडरसन ने बताया कि 'मिशन में अब तक इनजेन्युटी से सुने बिना यह सबसे लंबा समय है । बता दें कि मिशन के तहत इनजेन्युटी हेलीकॉप्टर को उड़ान भरते हुए मंगल ग्रह की फोटो नासा के पास भेजनी हैं और रोवर को मंगल की जमीन से सैंपल इकट्ठा करने हैं । एंडरसन ने कहा 'इनजेन्युटी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि जब इस तरह का संचार अंतराल होता है, तब यह खुद की देखभाल करता है, लेकिन अंत में संपर्क फिर से स्थापित होने के बाद हम सभी को राहत की अनुभूति हुई ।' नासा को उम्मीद है कि इस मिशन से मंगल को लेकर कई अहम जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं ।

रूस की गोलाबारी से यूक्रेन में तीन की मौत व 17 लोग जख्मी

कीव । रूस की गोलाबारी से यूक्रेन में तीन लोगों की मौत हो गई है । जानकारी के अनुसार यूक्रेन के पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र में रूस लगातार गोलाबारी कर रहा है । इसमें कम से कम तीन और नागरिकों की मौत हो गई तथा 17 अन्य घायल हो गए । यह हमला ऐसे वक्त में हुआ जब स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने रूस के खिलाफ यूक्रेन की लड़ाई के लिए अपने देश और यूरोपीय संघ के समर्थन को दर्शाते हुए कीव की यात्रा शुरू की है । यूक्रेन की संसद को दिए संबोधन में सांचेज ने कहा, 'जब तक यह युद्ध चलेगा, हम आपके साथ रहेंगे ।' उनके संबोधन के दौरान कई बार संसद सदस्यों ने खड़े होकर उनका सम्मान व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि मैं यूक्रेन पर रूस के गैरकानूनी और अनुचित आक्रमण के खिलाफ यूरोपीय संघ तथा यूरोप के दृढ़ संकल्प को व्यक्त करने के लिए यहां आया हूं । उन्होंने यह संबोधन उस दिन दिया जब स्पेन ने 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभाली है । यूरोपीय संघ की अध्यक्षता हर छह महीने में बारी-बारी से देशों को दी जाती है । बाद में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में सांचेज ने घोषणा की कि स्पेन चार 'लेपर्ड टैंक' और बख्तरबंद वाहन समेत यूक्रेन को और अधिक हथियार उपलब्ध कराएगा । स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने यह भी कहा कि स्पेन पुनर्निर्माण की जरूरतों में मदद करने के लिए अतिरिक्त 5.5 करोड़ यूरो की मदद मुहैया कराएगा । वहीं, दोनेत्स्क के गवर्नर पावलो किरिलेंको ने बताया कि यूक्रेन में शुक्रवार और शनिवार रात को रूस की गोलाबारी में कम से कम तीन नागरिकों की मौत हो गई तथा 17 अन्य घायल हो गए । खेरसॉन के गवर्नर ओलेक्सांद्र प्रोकुदिन ने बताया कि दक्षिणी खेरसॉन में शुक्रवार और शनिवार रात को हमले में एक बच्चे समेत पांच लोग घायल हो गए । संभावित शांति वार्ता को लेकर सांचेज ने कहा ?कि शांति वार्ता के लिए शर्तें और वक्त केवल यूक्रेन तय कर सकता है । अन्य देश तथा क्षेत्र शांति योजनाओं का प्रस्ताव दे रहे हैं । उनकी भागीदारी काफी सराहनीय है, लेकिन हम पूरी तरह से उन्हें स्वीकार नहीं कर सकते ।

लुसी गुओ दुनिया की दूसरी सबसे अमीर सेल्फ मेड महिला

-फिट इतनी कि रोज दौड़ती हैं 10-20 मील

सैन फ्रांसिस्को । इस्केल एआई की को-फाउंडर लुसी गुओ दुनिया की दूसरी सबसे अमीर सेल्फ मेड महिला हैं । लुसी ने साल 2018 में स्केल एआई छोड़ दिया था । सेल्फ मेड अमीर महिलाओं की लिस्ट में फोर्ब्स ने काइली जेनर के बाद लुसी गुओ को रखा है । कंपनी में उनकी करीब 6 फीसदी की हिस्सेदारी है । लूसी बचपन से ही कोडिंग की तरफ आकर्षित थीं और माता-पिता की तरफ से उनपर थोड़ा प्रेशर भी था । लूसी के माता-पिता इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे और लूसी को तकनीकी फील्ड में जाने के लिए मना करते थे । उनका मानना था कि इस फील्ड में लड़कियों के लिए सफलता पाना मुश्किल है । हालांकि, लूसी ने फिर भी अपने मन का काम किया और आगे बढ़ीं ।

लूसी ने कंप्यूटर साइंस की डिग्री लेने के लिए कार्नीज मेलन में दाखिला लिया था, लेकिन 2014 में थील फेलोशिप मिलने के बाद उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया । इस फेलोशिप के जरिए युवाओं को 1 लाख डॉलर दिए जाते हैं । स्कॉलरशिप किसे मिलेगी इसका चयन उनकी काबिलियत के बल पर होता है । आगे चलकर लूसी ने फेसबुक में इंटर्नशिप की और उसके बाद उन्होंने कोरा और स्नैपचैट में प्रोडक्ट डिजाइनर के तौर पर हायर कर लिया गया ।लूसी की मुलाकात एलेक्जेंडर से 2015 में हुई थी । दोनों अपनी फील्ड के मास्टर थे और मुलाकात के पहले ही साल में उन्होंने स्केल एआई की शुरुआत कर दी थी । लूसी और वांग की जोड़ी ने दो सालों में ही कमाल कर दिखाया । उनकी कंपनी को लोगों ने सराहा और उन्हें फंडिंग भी मिली । 2018 में लूसी और वांग का साथ छूट गया । ऐसा क्यों हुआ उसकी कोई वजह सामने नहीं आई, लेकिन लूसी अब भी उस कंपनी की 6 प्रतिशत की हिस्सेदार हैं । कंपनी छोड़ने के बाद लूसी ने अपने कई प्रोजक्ट्स पर काम किया । उन्होंने बैकएंड कैपिटल की शुरुआत की और उसके बाद पासेस कंपनी को ज्वाइन किया । रिपोर्ट्स के मुताबिक, लूसी का नेट वर्थ लगभग 440 मिलियन डॉलर का है । उन्होंने कोडिंग के साथ-साथ फाइनेंशियल इनवेस्टमेंट और बिजनेस मॉडल्स के सहारे भी अपना बैंक बैलेंस बढ़ाया है । स्केल एआई के बाद उन्होंने बैकएंड कैपिटल की भी स्थापना की । लूसी फिलहाल पासेस की सीईओ के पद पर कार्यरत हैं । उन्हें उनकी फिटनेस के लिए भी जाना जाता है और उनकी गिनती दुनिया के सबसे फिट सीईओ में से एक में होती है ।बता दें कि स्केल एआई की नेटवर्थ फिलहाल 7.3 बिलियन डॉलर है । लूसी ने कॉलेज के दिनों में वांग के साथ मिलकर इस मल्टी मिलियन डॉलर कंपनी की शुरुआत की थी । लूसी ने न सिर्फ तकनीक की दुनिया में, बल्कि फाइनेंस की फील्ड में भी अपना नाम बना लिया है ।

सियोल में एलजीबीटी आधिकारों को लेकर दक्षिण कोरियाई लोगों का एक समूह सड़कों पर उतर आया।

म्यांमार : सू ची के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

म्यांमा का उच्चतम न्यायालय सेना द्वारा अपदस्थ नेता आंग सू ची की ओर से उन मामलों में दाखिल अपील पर इस महीने सुनवाई करेगा, जिनमें उन्हें दोषी करार दिया गया है और कुल 33 साल की कैद की सजा सुनाई गई है । विधि अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी । सू ची के खिलाफ अधिकतर मामले सेना ने दर्ज कराए हैं, जिसने फरवरी 2021 में निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सत्ता अपने हाथ में ले ली थी । सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद सू ची को गिरफ्तार कर लिया गया था और उन पर कई आरोप लगाए गए थे । हालांकि, सू ची के समर्थकों और अधिकार समूहों का कहना है कि यह सेना द्वारा अपनी सत्ता को वैध साबित करने और लोकतंत्र समर्थक नेता को बदनाम करने का प्रयास है, ताकि वह सक्रिय राजनीति में हिस्सा नहीं ले सकें । सू ची को गिरफ्तारी के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है और उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं दी गई है । उनके वकील को भी 2021 के उत्तरार्ध से मीडिया से बात करने की मनाही है । सू ची के खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी रखने वाले दो विधि अधिकारियों ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि उच्चतम न्यायालय की लोकतंत्र समर्थक नेता की उन दो अपील पर पांच जुलाई को सुनवाई करने की योजना है, जिसमें उन्हें चुनाव में फर्जीवाड़ा करने और देश के आधिकारिक गोपनीय अधिनियम का उल्लंघन करने का दोषी ठहराया गया है । सू ची को पिछले साल सितंबर में दोनों मामलों में तीन-तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई थी । विधि अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय सू ची को भ्रष्टाचार के पांच मामलों में दोषी करार देने के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर 12 जुलाई को सुनवाई करेगा ।

रुकने का नाम नहीं ले रही फ्रांस में हिंसा, आगजनी व लूटपाट भी हो रही

-पुलिस गोलीबारी में मारे गए नाहेल को दफनाया, राष्ट्रपति मैक्रों ने स्थगित किया जर्मनी दौरा

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। यहां हालांकि पुलिस की गोलीबारी में मारे गए किशोर को शनिवार को दफना दिया गया। घटना के बाद भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद चौथी रात को व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए। आगजनी और लूटपाट के कई दृष्य यहां दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान देशभर में 1,311 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जर्मनी का दौरा रद्द कर दिया है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि हिंसा रोकने के लिए देशभर में 45,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। मंगलवार रात को प्रदर्शन की शुरुआत के बाद से पुलिस ने कुल 2,400 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से आधी से ज्यादा गिरफ्तारियां हिंसा की चौथी रात को हुईं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने शांति की अपील करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को घरों पर ही रखने की अपील की। बावजूद इसके, विभिन्न शहरों में प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों और इमारतों में आग लगा दी तथा दुकानों में लूटपाट की।

सुरक्षा में जुटे अधिकारियों के मुताबिक, युवा प्रदर्शनकारियों की पुलिस से रातभर भिड़ंत हुई। विभिन्न जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने करीब 2,500

दुकानों में तोड़फोड़ और आगजनी की। फ्रांस में हिंसा का असर मैक्रों की जर्मनी यात्रा पर पड़ा है। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर के कार्यालय ने बताया कि मैक्रों ने शनिवार को फोन करके जर्मनी की अपनी पहली राजकीय यात्रा को स्थगित करने का अनुरोध किया। गौरतलब है कि मैक्रों रविवार शाम को जर्मनी रवाना होने वाले थे। पिछले 23 वर्षों में फ्रांस के किसी राष्ट्रपति की यह जर्मनी की पहली राजकीय यात्रा होती। मैक्रों के कार्यालय ने बताया कि राष्ट्रपति ने स्टीनमीयर से बात की और देश में सुरक्षा स्थिति को देखते हुए कहा कि वह आने वाले दिनों में फ्रांस में रहना चाहते हैं। इस बीच, नैनटेरे के उपनगर में पुलिस की गोलीबारी में मारे गए किशोर नाहेल को अंतिम विदाई दी गई। कब्रिस्तान में ताबूत लाए जाने के दौरान बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे।

इस घटना के बाद पेरिस से मार्सिले और ल्योन तक हिंसा की आग फैल गई है, जिसमें सैकड़ों पुलिसकर्मी और दमकलकर्मी घायल हुए हैं। इससे पहले, नाहेल की मां मौनिया एम ने मीडिया से कहा कि वह उस पुलिस अधिकारी से बहुत अधिक क्रोधित हैं, जिसने उनके बच्चे को मार डाला।

उन्होंने कहा, वह कुछ-कुछ अरबी बच्चों की तरह दिखता था। वह अधिकारी नाहेल की जान लेना चाहता था। किशोर के परिवार की विरासत अल्जीरिया से जुड़ी है। मौनिया ने कहा, एक पुलिस अधिकारी अपनी बंदूक लेकर हमारे बच्चों पर गोली नहीं चला सकता। गौरतलब है कि मंगलवार को ट्रैफिक चेकिंग के दौरान 17 वर्षीय नाहेल की हत्या का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दो अधिकारी कार की खिड़की के पास खड़े दिख रहे हैं, जिनमें से एक ने चालक पर बंदूक तान रखी है। जैसे ही किशोर आगे बढ़ता है, अधिकारी ने गोली चला दी। इस घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है और लोग काफी आक्रोशित हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों हुए परेशान, दंगे रोकने नहीं सूझ रहा कोई उपाय

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों देश में भड़क रहे दंगों से परेशान हो रहे हैं। उन्हें दंगों से निपटने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। गौरतलब है कि फ्रांस में पुलिस के हाथों एक किशोर की हत्या के बाद से भड़के दंगे विकराल रुप ले चुके हैं। ये दंगे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए एक बहुत अनचाहे और खतरनाक संकट के तौर पर सामने आए हैं। मैक्रों ने अपने विवादास्पद पेंशन सुधार पर आधे साल तक चले विरोध प्रदर्शन पर आखिरकार किसी तरह से काबू पाया था। जो इस साल के अधिकांश समय फ्रांस के घरेलू एजेंडे पर हावी रहा था। उसी समय ताजा हिंसा भड़क उठी। देश भर की दुकानों में तोड़फोड़ और जलाई गई बसों की तस्वीरें भी मैक्रों की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाली साबित हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये दंगे खासकर ऐसे समय में भड़के हैं, जब मैक्रों यूक्रेन पर रूसी हमले को खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं। वह यूरोप के नंबर एक पावरब्रोकर के रूप में देखे जाने इच्छा रखते हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों को दंगों के कारण जर्मनी की अपनी राजकीय यात्रा रद्द करनी पड़ी थी। जो इस हफ्ते के अंत में शुरू होने वाली थी और यह 23 साल में किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पहली ऐसी यात्रा थी। इससे पहले भी पेंशन सुधार कानून के हिंसक विरोध के कारण मैक्रों ने इस साल की शुरुआत में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की राजकीय यात्रा को स्थगित कर दिया था। जो कि सम्राट के रूप में उनकी पहली विदेश यात्रा होती। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ये दंगा राष्ट्रपति के लिए बहुत बुरी खबर है, जो सरकार को फिर से एक्टिव करने और पेंशन संकट से आगे बढ़ने के लिए कैबिनेट फेरबदल के साथ गर्मियों में सरकार को एक सुचारु ढंग से चलाने की उम्मीद कर रहे थे। दुनिया में लोग यह देखकर अचरज में हैं कि कैसे फ्रांस एक के बाद एक तनाव, हिंसा और संकटों का सामना कर रहा है।

नेपाल की मौजूदा गठबंधन सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी : प्रधानमंत्री प्रचंड

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने शनिवार को कहा कि देश की वर्तमान गठबंधन सरकार 'अनुकूलतम सहमति' के आधार पर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। गौरतलब है कि 26 दिसंबर, 2022 को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले प्रचंड फिलहाल नेपाल में 10 दलों की गठबंधन सरकार चला रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि काठमांडू से करीब 200 किलोमीटर दूर पोखरा में पत्रकारों से बातचीत में नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी-मध्य) (सीपीएन-एमसी) के 68 वर्षीय नेता ने कहा, ''गठबंधन सरकार पांच साल चलेगी और हम अनुकूलतम सहमति बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।''

प्रचंड का यह बयान इसलिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि 1990 की दशक में देश में लोकतंत्र की स्थापना के बाद से अभी तक कोई सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी है।प्रचंड ने अपनी हालिया भारत यात्रा को ऐतिहासिक बताया और कहा, ''सीमा मुद्दे को सुलझाने के संबंध में भारतीय प्रधानमंत्री की घोषणा महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले भारत के किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं कहा है।'' गौरतलब है कि नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड के साथ पिछले महीने विस्तृत बातचीत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि ऐसे में जबकि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को हिमाचल की ऊंचाई पर पहुंचाना चाहते हैं, वे सीमाओं से जुड़े मुद्दे सहित सभी मुद्दों को सुलझाएंगे।

पीएम मोदी के दोस्त को मिला चीन आने का निमंत्रण, अमेरिका होगा खफा

जेरुसलेम (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जानकारी देकर कहा है कि उन्हें चीन की ओर से आधिकारिक यात्रा का न्यौता मिला है। हालांकि नेतन्याहू ने ये नहीं बताया कि उनकी यात्रा कब होगी। इजरायली पीएम ने यात्रा पर आए अमेरिकी सांसदों के साथ बैठक के दौरान इसकी जानकारी दी है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की आगामी चीन यात्रा का इजराइल में मिला-जुला स्वागत हुआ है। वेस्ट बैंक बस्तियों में नेतन्याहू की आक्रामकता की वजह से अभी तक व्हाइट हाउस से आमंत्रण नहीं मिला है। जबकि पीएम बनने के बाद नेतन्याहू हर बार अमेरिका की यात्रा पर गए हैं। अटकलें लगाई गईं कि यह नेतन्याहू का ये कदम बाइडेन प्रशासन से बदला लेने के लिए है, क्योंकि नेतन्याहू ने उन्हें वाशिंगटन में आमंत्रित करने में विफल रहने के कारण उन्हें शर्मिंदा करने के लिए ये कदम उठाया है। नेतन्याहू संकेत देना चाहते हैं कि इजराइल अमेरिकी संरक्षण के बिना प्रबंधन कर सकते हैं।

नेतन्याहू के कार्यलय का कहना है कि चीन की ये प्रस्तावित यात्रा बतौर प्रधानमंत्री उनकी चौथी यात्रा होगी। उनका कहना है कि इस न्यौते के संबंध मे अमेरिका के बाइडेन प्रशासन को पिछले महीने ही सूचित कर दिया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यात्रा की संभावित तारीख के संबंध में टिप्पणी करने से मना कर दिया है।

पूर्व सैन्य खुफिया प्रमुख और अब राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान के प्रमुख मेजर जनरल तामीर हेमैन ने 27 जून को ट्वीट कर कहा कि वाशिंगटन यात्रा से पहले चीन की यात्रा का समन्वय करना एक बड़ी गलती है। हेमैन के आकलन के अनुसार, नेतन्याहू की चीन यात्रा से व्हाइट हाउस में हृदय परिवर्तन नहीं होगा। वास्तव में, उन्होंने चेतावनी दी, इसका विपरीत प्रभाव हो सकता है। हेमैन ने लिखा कि अमेरिकी तथाकथित विविधीकरण प्रवचन पर विशेष रूप से क्रोधित हैं और संकेत देते हैं कि इज़राइल को अपने सहयोगियों में विविधता लानी चाहिए और केवल वाशिंगटन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। वैश्विक आधिपत्य के लिए अमेरिका और चीन के बीच भीषण संघर्ष के बीच, यह इजरायल-अमेरिका गठबंधन को रणनीतिक नुकसान पहुंचा सकता है। एक साक्षात्कार में पूर्व न्याय मंत्री गिदोन सार वर्तमान में नेसेट विपक्ष के सदस्य हैं। उन्होंने तर्क दिया कि चीन की यात्रा, विशेष रूप से मध्य पूर्व में ईरान के राजनीतिक हमले के बाद, जिसे मुख्य रूप से चीन का समर्थन प्राप्त है, मुद्दे के अमेरिकी संदर्भ में गए बिना भी यह पेचीदा लगता है।

ताइवान की प्रमुख कंपनियां अपने उत्पादन केंद्र भारत में लाना चाहती हैं: नीति निर्माता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन के साथ ताइवान के बढ़ते तनाव के बीच इस स्वशासित द्वीप के शीर्ष नीति निर्माताओं ने कहा है कि प्रमुख ताइवानी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपना जोखिम कम करने के लिए अपने विनिर्माण केंद्रों को भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं। ताइवान के राष्ट्रीय विकास उप मंत्री काओ शिएन-क्यू ने कहा कि सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के विनिर्माण सहित उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में नई दिल्ली और ताइपे के बीच सहयोग की बहुत अधिक गुंजाइश है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत में कहा कि ताइवान की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियां अपनी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भारत को एक प्रमुख गंतव्य के रूप में देख रही हैं।चुंग-हुआ इंस्टीट्यूशन ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च में स्थित प्रमुख थिंक-टैंक ताइवान आसियान अध्ययन केंद्र की निदेशक क्रिस्टी त्सुन-त्जु सू ने भारत को ताइवान के लिए एक महत्वपूर्ण देश बताया।

उन्होंने कहा कि चीन में काम करने वाली ताइवानी कंपनियां अपने स्थानीय ग्राहकों को बनाए रखते हुए भारत में आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना करना चाह रही हैं। बीजिंग के साथ वाशिंगटन के व्यापार विवाद और ताइवान के आसपास चीनी सेना की बढ़ती मौजूदगी के कारण प्रमुख ताइवानी कंपनियां अपने उत्पादन केंद्रों को चीन से यूरोप, अमेरिका और भारत जैसे देशों में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े चिप विनिर्माता ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (टीएसएमसी) सहित प्रमुख ताइवानी चिप उत्पादकों की अपने यहां लाने का इच्छुक है। टीएसएमसी के ग्राहकों में एप्पल भी शामिल है।शिएन-क्यू ने कहा, मुझे यकीन है कि सेमीकंडक्टर और सूचना तथा संचार उद्योग के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच सहयोग तेजी से बढ़ेगा। जानकारी के मुताबिक बड़ी संख्या में ताइवानी कंपनियां भारत में दो औद्योगिक पार्कों में उत्पादन केंद्र स्थापित करने जा रही हैं।

इन पार्कों को विशेष रूप से ताइवानी कंपनियों के लिए तैयार किया जा रहा है। त्सुन-त्जु सू ने कहा, यह केवल व्यापार के बारे में नहीं है। इसका संबंध रणनीतिक सहयोग से अधिक है। हमारी कंपनियां अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध की शुरुआत से पहले ही भारत जाने पर विचार कर रही थीं, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था इतनी बड़ी है कि यह ताइवान को बदलाव के लिए कुछ अवसर दे सकती है। उन्होंने कहा कि ताइवान सरकार भारत के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने की कोशिश कर रही है। ताइवान स्थित फॉक्सकॉन ने तमिलनाडु में एक आईफोन विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया है और कंपनी अब कर्नाटक में एक और आईफोन उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रही है। भारत और ताइवान के बीच द्विपक्षीय व्यापार तेजी से बढ़ रहा है और यह 2006 में दो अरब डॉलर से बढ़कर 2021 में 8.9 अरब डॉलर हो गया।

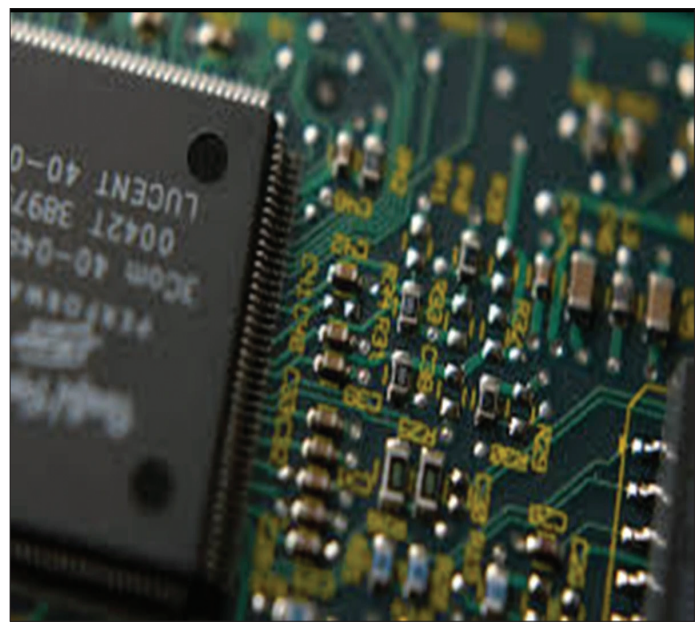

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तीन माह में दिल्ली वाले पी गए 6800 करोड़ रुपये की शराब

नई दिल्ली । आबकारी विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि दिल्ली वालों ने तीन महीने में 6800 करोड़ रुपये की शराब पी डाली। वहीं इससे दिल्ली सरकार का खजाना भी भर गया है। हालांकि इतनी शराब पीने पर यकीन करना मुश्किल हो रहा है। लेकिन यह सच है कि दिल्लीवासियों ने 62 करोड़ बोतलें तिमाही में खाली कर दी। एक्साइज से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में साल 2023-24 की पहली तिमाही में 6821 करोड़ रुपये की शराब की बिक्री हुई है। शराब की इस बिक्री से

दिल्ली सरकार मालामाल हो गई। इस जबरदस्त बिक्री के आधार पर, दिल्ली सरकार के एक्साइज विभाग ने 2023-24 की पहली तिमाही में एक्साइज ड्यूटी और मूल्य वर्धित कर (वेट) के रूप में लगभग 1,700 करोड़ रुपये जुटाए हैं। विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि कमाई वित्त वर्ष 2022-23 के बराबर थी जब विभाग ने 62 करोड़ से अधिक शराब की बोतलें बेचकर 6,821 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। इस राशि में एक्साइज शुल्क के रूप में 5,548.48 करोड़ रुपये और वैट के रूप में 1,272.52 करोड़ रुपये शामिल हैं। इस बार चार सरकारी निगमों की तरफ से अधिक शराब की दुकानें खोली गई हैं। साथ ही शराब परोसने के लिए नए होटलों और रेस्ट्रॉं के एक्साइज लाइसेंस लेने से राजस्व बढ़ने की उम्मीद है। निगम के एक अधिकारी ने कहा कि गर्मियों के दौरान बीयर, जिस पर तुलनात्मक रूप से कम एक्साइज ड्यूटी लगती है। इस वजह से स्पिरिट की तुलना में यह अधिक बिकती है। यही कारण है कि वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही की तुलना में पहली छमाही में रेवेन्यू कलेक्शन हमेशा अपेक्षाकृत कम होता है। उस दौरान व्हिस्की अधिक बिकती है। दिल्ली सरकार के चार निगम - दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम, दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम और दिल्ली उपभोक्ता सहकारी थोक स्टोर - मिलकर 574 शराब की दुकानें चलाते हैं। वहीं, शहर में 930 से अधिक होटल, क्लब और रेस्तरां शराब परोसी जाती है। दिल्ली सरकार ने अपने 2023-24 के बजट में वित्तीय वर्ष में कुल स्टेट एक्साइज ड्यूटी कलेक्शन 7,365 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया है। एक्साइज डिपार्टमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एक्साइज पॉलिसी जिसे पुरानी एक्साइज पॉलिसी भी कहा जाता है, के तहत बिक्री अपेक्षाकृत कम होने पर भी सरकार को अधिक राजस्व मिलता है। हालांकि, अब वापस ली गई नई शराब पॉलिसी में, विभिन्न योजनाओं और डिस्काउंट्स के कारण सेल में तेजी से बढ़ोतरी होने पर भी सरकार का रेवेन्यू फिक्स था। इसीलिए 2022-23 की आखिरी तिमाही में बिक्री कम हो सकती है, लेकिन वास्तविक रेवेन्यू अभी भी अधिक था।

चंद्रशेखर आजाद पर हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर । भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद पर हमला करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले बुधवार को सहारनपुर के देवबंद इलाके में हरियाणा के अंबाला से इन्हें गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा और यूपी पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में शाहाबाद के एक ढाबे से इन चारों को गिरफ्तार किया गया। सभी को लेकर पुलिस यूपी आ गई है, जहां 11.30 बज प्रेस कांफ्रेंस हो रही हे। बताया जा रहा है कि आरोपियों की पहचान विकास, प्रशांत, लविश जो कि यूपी के सहारनपुर के रहने वाले हैं। इसके अलावा चौथा आरोपी विकास हरियाणा के करनाल का रहने वाला है। अंबाला एसटीएफ के डीएसपी अमन कुमार से मिली जानकारी के मुताबिक यूपी पुलिस के साथ एक ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत एक अहम जानकारी मिली थी कि यह चारों शाहबाद के एक ढाबे पर बैठे हैं। इसके बाद पुलिस ने उन्हें धर दबोचा और यूपी पुलिस के हवाले कर दिया है। हालांकि इनके पास से कोई भी हथियार बरामद नहीं हुआ है। गौरतलब है कि पिछले बुधवार को चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हमला हुआ था। इस हमले में गोली चद्रशेखर की कमर को छूकर निकल गई थी। जिसके बाद से ही भीम आर्मी और आजजद समाज पार्टी के समर्थक चंद्रशेखर को जेड सिक्योरिटी देने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया है।

ग्राम रक्षा बल के तीन स्वयंसेवकों समेत पांच की गोली मारकर हत्या

इंफाल । मणिपुर में हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। यहां के बिष्णुपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों की गोलीबारी में आज फिर तीन ग्राम स्वयंसेवक समेत पांच लोग मारे गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खोइजुमंतबी गांव में रविवार देर रात यह घटना तब हुई जब ग्राम स्वयंसेवक अस्थायी बंकर से इलाके की रखवाली कर रहे थे। इम्फाल में अधिकारियों ने कहा कि वीडीएफ स्वयंसेवक मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रही जातीय हिंसा के मद्देनजर गांव की रखवाली कर रहे थे। हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जब वे रात में गांव की रखवाली करने के बाद सुबह सो रहे थे। हमले में कम से कम पांच ग्रामीण घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। सुरक्षाकर्मी इलाकों में पहुंच गए हैं और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। ग्रामीण न्याय की मांग के साथ शवों को राजधानी इम्फाल लाने की योजना बना रहे हैं। वहीं मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने शनिवार को सभी समुदायों से शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने में सरकार और सुरक्षा बलों की मदद करने का आग्रह किया था। राज्यपाल ने एक संदेश में कहा मैं तहे दिल से आप सभी से, विशेषकर माताओं और बहनों से अपील करती हूं कि वे सड़कों पर सुरक्षा बलों से ना टकराएं। वे लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक मारे गए तीनों वालेंटियर मैतेई समुदाय से ही ताल्लुक रखते थे। गौरतलब है कि मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद मणिपुर में हिंसा भड़की थी। इसके विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च निकालने के बाद यह देखने को मिला। जानकारी के अनुसार मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी मैतेई समुदाय की है, जोकि मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासी समुदायों की आबादी 40 प्रतिशत है और ये लोग पर्वतीय जिलों में रहते हैं। मणिपुर के हिंसा प्रभावित इंफाल पश्चिम जिले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू की गई थी। इसके बाद जारी पाबंदियों में रविवार को ढील दी गई। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट एन जॉनसन मैतेई ने बीते शनिवार को इस बारे में एक अधिसूचना जारी की। राज्य में झड़पें शुरू होने के बाद तीन मई को लोगों पाबंदियां लगाई गई थीं।

अगले चार दिन मौसम रहेगा साफ, अमरनाथ यात्रा में नहीं आएगी परेशानी

जम्मू । मौसम साफ रहने से अमरनाथ की यात्रा करने वालों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर से मिली जानकारी अनुसार अगले चार दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। हालां?कि इस बारिश के मौसम से हर कोई परेशान है लेकिन श्री अमरनाथ यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बारिश न होना अच्छी बात है। जानकार बताते हैं कि जब तक मौसम साफ रहता है श्री अमरनाथ यात्रा सुचारु रूप से चल रही होती है, लेकिन बारिश होते ही कई तरह की परेशानियां शुरू हो जाती हैं। खासकर जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन का खतरा बना रहता है और सड़क बंद हो जाने से कई बार सड़क मार्ग बंद करना पड़ता है। जिससे यात्रियों का परा शिड्यूल गड़बड़ा जाता है। अक्सर जो भी श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए आता है। अपने पंजीकरण के हिसाब से ही रेलवे टिकट करवा कर निकलता है। लेकिन, एक दिन भी यात्रा स्थगित हो जाते ही उसका पूरा कार्यक्रम गडबड़ा जाता है। बता दें कि अभी तक मौसम साफ होने का बाबा के श्रद्धालु पूरा लाभ ले रहे हैं। आज सुबह आधार शिविर जम्मू यात्री भवन से यात्रा का तीसरा जत्था पूरे उत्साह के साथ बाबा के दर्शनों के लिए निकला। शेर-ए-कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विशेषज्ञ डॉ. महेंद्र सिंह ने बताया कि 5 जुलाई तक बारिश के आसार नहीं हैं। उसके बाद अगले तीन चार दिनों तक बारिश के आसार बनते दिख रहे हैं। इस दौरान चिलचिलाती धूप और उमस बेहाल करेगी। शनिवार को जम्मू का न्यूनतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस रहा।अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, उमस 56 प्रतिशत रही। श्री अमरनाथ यात्रा को जा रहे श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के पंकज शर्मा ने कहा कि वह पांचवीं बार यात्रा के लिए जा रहे है। अक्सर मौसम के कारण ही परेशानी होती है। मौसम साफ रहने से सब ठीक ही रहता है। यह उमस भरी गर्मी भी जवाहर टनल के इस ओर ही परेशान करती है। आगे मौसम बहुत अच्छा रहता है।

यूपी के राजस्व संग्रह में सतत बढ़ोतरी हो रही : सीएम योगी

-सरकारी आवास पर हुई बैठक में सीएम ने की राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यूपी में राजस्व संग्रह में सतत बढ़ोतरी हुई है। सीएम ने अपने सरकारी आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक में चालू वित्तीय वर्ष में कर-करेत्तर राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं, राजस्व के नए स्रोत तलाशने चाहिए। सीएम योगी ने बारी-बारी से जीएसटी, वैट, आबकारी, स्टाम्प एवं पंजीयन, परिवहन, भू-राजस्व और ऊर्जा में राजस्व संग्रह के लक्ष्य और उसके सापेक्ष प्राप्तियों का विवरण प्राप्त किया साथ ही विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। योगी ने कहा कि नियोजित प्रयासों से प्रदेश के कर-करेत्तर राजस्व संग्रह में सतत वृद्धि हो रही है। वर्तमान वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में विविध माध्यमों से अब तक 46 हजार करोड़ से अधिक की राजस्व प्राप्ति हुई है। इसमें जीएसटी, वैट से 26 हजार करोड़, एक्साइज टैक्स के रूप में 10 हजार करोड़, स्टाम्प एवं पंजीयन से 6 हजार करोड़ और परिवहन से 24 सौ करोड़ से अधिक का संग्रह हुआ है। यह स्थिति संतोषजनक कही जा सकती है।

सीएम ने कहा कि यह जनता से एकत्रित राशि है जो प्रदेश के विकास में, लोककल्याणकारी कार्यों में व्यय होगा। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए हमें नए स्रोत भी बनाने चाहिए। चालू वित्तीय वर्ष के लिए 1.50 लाख करोड़ के जीएसटी और वैट संग्रह लक्ष्य के अनुरूप ठोस कोशिश की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व की चोरी राष्ट्रीय क्षति है। जीएसटी की चोरी, अपवंचन की कोशिशों को रोकने के लिए सजगता बढ़ाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि छापेमारी की कार्यवाही से पहले पुख्ता जानकारी इकठ्ठा करें। इंटेलिजेंस को और बेहतर करने की आवश्यकता है। विशेष अनुशासनिक इकाइयों और सचल दल इकाइयों की सक्रियता और बढ़ाए जाने की जरूरत है। हालांकि हाल के समय में इनकी सजगता से कर चोरी, अपवंचन पर प्रभावी रोक लगाने में सफलता मिली है।

सीएम ने कहा कि कार्यशैली में व्यापक सुधार करते हुए फील्ड में योग्य कुशल और दक्ष अधिकारियों को तैनाती दी जाए। राजस्व संग्रह को बढ़ाने के लिए शासन स्तर से फील्ड के अधिकारियों को स्पष्ट टारगेट दिया जाए। इसकी साप्ताहिक, मासिक समीक्षा की जाए। मेरे स्तर से त्रैमासिक समीक्षा की जाती रहेगी। सभी संबंधित विभाग लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व संग्रह के लिए हर जरूरी प्रयास करें। सीएसम ने कहा कि अवैध शराब बनाने व बेचने की गतिविधियों पर पूरी सख्ती की जाए। किसी भी जिले में ऐसी गतिविधि न हो। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि धर्मस्थलों, विद्यालयों, हाई-वे आदि के समीप शराब की दुकानें न संचालित हों। यदि ऐसा होता है तो कार्रवाई की जाएगी।

केजरीवाल के पास दुबई में तीन फ्लैट होने का दावा, कमीशन से खरीदी का आरोप

नई दिल्ली। ठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर दुबई में तीन फ्लेट होने का दावा किया है। कथित मनी लॉन्ड्रिंग और कई लोगों से जबरन वसूली के आरोपी ठग सुकेश चंद्रशेखर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उन पर दुबई में तीन फ्लैट होने का आरोप लगाया है। सुकेश चंद्रशेखर ने अपने पत्र में यह दावा किया है कि केजरीवाल ने ये फ्लैट कमीशन के पैसे से खरीदे हैं। सुकेश ने पत्र में लिखा हैं कि केजरीवाल जी, मुझे पता चला है कि आपने दुबई में अपने सहयोगी मनोज जैन से जुमेराह पाम्स में उन तीन अपार्टमेंटों को तत्काल बेचने के लिए कहा है, जो 2020 में हैदराबाद में एक फार्मा ठेकेदार से प्राप्त कमीशन का उपयोग कर मेरे माध्यम से 65 मिलियन दिरहम की राशि में खरीदे गए थे। उन्होंने आगे लिखा, चूंकि आप सच नहीं बोलेंगे, मेरे और सत्येन्द्र जैन के बीच की तीन पेज की व्हाट्सएप चैट मैं जारी कर दूंगा, जिसमें दुबई में इन तीन अपार्टमेंटों की खरीद का लेनदेन दिखाया गया है। उन्होंने लिखा मैं अगले सात दिनों के भीतर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और भ्रष्टाचार निरोधक सतर्कता को भी एक प्रति भेजूंगा। कथित ठग चन्द्रशेखर ने पत्र में कहा कि केजरीवाल और उनके सहयोगी जो अक्सर दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हैं, वही लोग उन्हें और उनके परिवार को धमकियां भेज रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल के एक करीबी ने उनकी मां को धमकी दी है। कहा, अगर मैं नहीं रुका तो मेरे खाने में जहर परोस दिया जाएगा। केजरीवाल जी, आप मुझ पर और मेरे परिवार पर जो दबाव डाल रहे हैं, उसका कड़ा जवाब मिलेगा। मत भूलिए कि आप जल्द ही तिहाड़ में पहुंच सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस खुलासे से केजरीवाल भी सकते में है।

अयोध्या में भव्य मंदिर बनकर तैयार, दस दिनों तक चलेगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

-श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट जुटा कार्यक्रम की तैयारी में, पांच लाख मंदिरों व घर-घर बंटेगा प्रसाद

अयोध्या (एजेंसी)। यूपी के अयोध्या में श्री राम का भव्य एवं दिव्य मंदिर बन कर तैयार हो गया है। यहां पर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी में ट्रस्ट जुटा हुआ है। इस तरह से करोड़ों राम भक्तों और सैकड़ों बलिदानों का संघर्ष अब साकार हो रहा है। जानकारी के अनुसार मंदिर निर्माण के प्रथम चरण यानी कि भूतल का कार्य लगभग पूरा हो गया है। अब राम मंदिर में फिनिशिग का कार्य किया जा रहा है जो अक्टूबर में पूरा हो जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी में जुट गया है। जब भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे तो उस समय पूरा देश 10 दिन पहले राम मय में नजर आएगा। प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को पूरे देश में मेगा इवेंट के तौर पर मनाया जाएगा। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के 10 दिन पहले से देश भर के पांच लाख मंदिरों में राम नाम संकीर्तन किया जाएगा। साथ ही तीर्थ

क्षेत्र ट्रस्ट ने कई धर्मों से भी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को राममय बनाने के लिए निवेदन भी किया है।

जानकारी के अनुसार सिख धर्म के लोग अपने अनुसार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन करेंगे तो जैन धर्म के लोग भी इस आयोजन में प्रतिभाग करेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा से 10 दिन पहले राम संकीर्तन के माध्यम से देश के संपूर्ण ग्राम पंचायत और सभी मोहल्लों के वातावरण को राम मय कर दिया जाएगा। जिस तरह का आनंद अयोध्या में होगा, वैसा ही आनंद हर गांव और मोहल्लों में होगा। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा से जुड़े कोई भी कार्यक्रम सार्वजनिक स्थल पर नहीं होंगे, केवल मंदिरों में ही होंगे। देश में ढाई लाख ग्राम पंचायतें हैं। नगर व कस्बों में ढाई लाख मोहल्ले हैं। कुल मिला कर ऐसे पांच लाख स्थलों पर मौजूद मंदिरों में राम संकीर्तन प्राण प्रतिष्ठा से 10 दिन पहले प्रारंभ किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव का प्रसाद घर-घर बांटा जाएगा।

ट्रस्ट द्वारा देशव्यापी राम संकीर्तन कार्यक्रम को सिख और जैन धर्मावलंबी अपनी परंपरा से कर सकते हैं, ऐसा आग्रह किया जाएगा। इतना ही नहीं, रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का प्रसाद घर-घर पहुंचाया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का अयोध्या की ही तरह आनंद संपूर्ण देश के राम भक्त उठा सकें, इसके लिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की जा रही है। इसके अंतर्गत देश के पांच लाख गांवों और मोहल्लों में स्क्रीन के माध्यम से रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का प्रसारण दिखाया जाएगा। ट्रस्ट ने इस दौरान सभी से कार्यक्रम में शा?मिल होकर आराध्य श्रीराम के गुणगान करने का ?निवेदन भी ?किया है।

सौरव गांगुली या मिथुन चक्रवर्ती में से किसी एक को बीजेपी भेजेगी राज्यसभा

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल से सौरव गांगुली या मिथुन चक्रवर्ती में से किसी एक को बीजेपी राज्यसभा भेज सकती है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में राज्यसभा की एकमात्र सीट के लिए बीजेपी विचार कर रही है। हालांकि बीजेपी राज्यसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। पार्टी की ओर से संभावित उम्मीदवारों में ज्यादा उम्मीद सौरव गांगुली और मिथुन चक्रवर्ती को लेकर लग रही है। पश्चिम बंगाल के राजनीतिक माहौल में प्रत्याशी तय करने को लेकर चर्चा तेज हो चली है,दिलचस्प बात यह है कि बंगाल बीजेपी ने पार्टी आलाकमान को बंगाल की एक सीट के लिए दो अलग-अलग सूचियां दिल्ली भेजी हैं। जिसके बाद यह देखना होगा कि क्रिकेट स्टार और फेमस हीरो मिथुन में से बीजेपी किस पर मुहर लगाती है? बंगाल में बीजेपी की ओर से राज्यसभा कैंडिडेट के नाम पर दो लिस्ट भेजे जाने से दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। दरअसल पहली लिस्ट बीजेपी के दिग्गज नेता सुवेंदु अधिकारी की ओर से तो वहीं दूसरी लिस्ट बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार की ओर से भेजी गई है।

बताया जा रहा है कि सुवेंदु अधिकारी ने जो लिस्ट दिल्ली में बीजेपी आलाकमान को भेजी है, उसमें दादा के नाम से पहचान रखने वाले महान क्रिकेटर सौरव गांगुली, राज्यसभा के पूर्व सदस्य मिथुन चक्रवर्ती के साथ ही बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य अनिर्बान गांगुली और ग्रेटर कूचबिहार पीपुल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनंत महाराज का नाम शामिल है। सुवेंदु अधिकारी के अलावा बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भी दिल्ली आलाकमान को सूची भेजी है। इसमें पूर्व राज्यसभा सदस्य रूपा गांगुली और स्वपन दासगुप्ता, बंगाल बीजेपी के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य के साथ ही पूर्व रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी और अनंत महाराज के नाम शामिल हैं। अब देखना यह होगा कि आखिर फाइनल नाम किसका होगा।

बीआरएस पर लगाया राहुल गांधी की सभा में बाधा डालने का आरोप

खम्मम। बीआरएस पर कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी की सभा में बाधा डालने का आरोप लगाया है। पूर्व सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार रविवार शाम यहां होने वाली राहुल गांधी की सभा में बाधाएं पैदा कर रही है। उन्होंने कहा कि सभा के लिए लोगों को लाने के लिए किराए पर लिए गए सैकड़ों निजी वाहनों को सत्तारूढ़ दल के दबाव में अधिकारियों ने जब्त कर लिया है। श्रीनिवास रेड्डी ने मीडियाकर्मियों से कहा कि बीआरएस चाहे कितनी भी बाधाएं पैदा करे, सभा एक बड़ी सफलता साबित होगी। हालांकि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने सार्वजनिक बैठक के लिए लोगों को लाने के लिए किराये पर बसें देने से इनकार कर दिया। बीआरएस निजी वाहनों को भी लोगों को खम्मम लाने से रोक रहा है। उन्होंने 1,700 निजी वाहनों के लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र जब्त कर लिए हैं।

विपक्षी एकजुटता पर बीजेपी की चुनौती, नहीं मिलेगा एक भी वोट

भरतपुर (एजेंसी)। भाजपा ने साफ कहा है कि विपक्षी कितने भी एक हो जाएं, इनको अपने क्षेत्र से बाहर एक भी वोट नहीं मिलेगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर विपक्षी पार्टियां जहां अपनी एकजुटता में जीत की संभावना देख रही है, वहीं भाजपा पीएम मोदी और केंद्र की योजनाओं के दम पर तीसरी बार सत्ता पाने की सोच रही है। यही वजह है कि भाजपा ने विपक्षी एकजुटता पर आज तंज कसा है। अपने एक बयान में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष के नेताओं को आड़े हाथों लिया है। राजस्थान के भरतपुर में मंत्री गोयल ने कहा कि जो विपक्षी पार्टियां एकजुट हो रही हैं, उनमें से कई दलों का अपने राज्य के बाहर कोई जनाधार नहीं है। विपक्ष के एकजुट होने से कुछ नहीं होता। तमिलनाडु के स्टालिन तमिलनाडु के बाहर एक वोट नहीं ला सकते। इसी तरह ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल के बाहर एक वोट प्रभावित नहीं कर सकतीं। लालू यादव और नीतीश कुमार से शायद वोट घटने शुरू हो जाएंगे। मैं समझता हूं कि यह भ्रष्टाचारियों का गठबंधन है। पीयूष गोयल ने यूसीसी को लेकर भी कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कांग्रेस और उनके नेता बौखला गए हैं। समय की मांग है सभी लोगों को एकजुट और सम्मिलित कर एक कानून बनाया जाए। यह बात संविधान निर्माताओं ने भी 70 साल पहले कही थी।

यूसीसी लागू करने पर बसपा सहमत, लेकिन भाजपा के तौर-तरीकों के खिला

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को यूसीसी लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन भाजपा के तौर-तरीकों के खिलाफ है। बसपा की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के खिलाफ नहीं है लेकिन वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार द्वारा इसे देश में लागू करने के तौर-तरीके से सहमत नहीं है। बसपा प्रमुख ने रविवार को यहां पत्रकारों से यूसीसी के मुद्दे पर कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 में यूसीसी बनाने का प्रयास तो वर्णित है लेकिन इसे थोपने का नहीं है इसलिए इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही भाजपा को देश में यूसीसी लागू करने के लिए कोई कदम उठाना चाहिए। बसपा सुप्रीमों मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी यूसीसी लागू करने के खिलाफ नहीं है बल्कि भाजपा और उसकी सरकार द्वारा इसे देश में लागू करने के तौर-

तरीकों से सहमत नहीं है। यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि यदि विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोगों पर हर मामले में समान कानून लागू होता है तो उससे देश कमजोर नहीं बल्कि मजबूत ही होगा। साथ ही लोगों में आपसी सद्भाव और भाईचारा भी पैदा होगा।

मायावती ने कहा कि यह बात भी काफी हद तक सही है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) बनाने का जिक्र किया गया है लेकिन इसे जबरन थोपने का प्रावधान बाबा साहब डॉक्टर भीमराव के संविधान में निहित नहीं है और इसके लिए जागरुकता तथा आम सहमति को श्रेष्ठ माना गया है, जिस पर अमल न करके इसकी आड़ में संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करना देश हित में सही नहीं है जो इस समय की जा रही है। मायावती ने बढ़ती महंगाई पर कहा कि यह आम चर्चा है कि प्रमुख समस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है बल्कि जनता का ध्यान बांटने के लिए ये लोग यूसीसी की बात कर रहे हैं।

मायावती ने कहा कि हम इसके खिलाफ नहीं हैं लेकिन यह मानकर चलना चाहिए कि देश में विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। उनके अपने रस्म रिवाज हैं, उनकी अपनी कार्यशैली हैं, जन्म से लेकर मृत्यु तक उनके अपने अलग तौर-तरीके हैं इसलिए जब ये कानून बनाए जाए तो इन सब चीजों को भी ध्यान में रखकर चलना चाहिए।

ग्रीष्मावकाश के बाद उच्चतम न्यायालय सोमवार को खुलेगा, कई अहम याचिकाओं पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय 42 दिनों के ग्रीष्मावकाश के बाद सोमवार को फिर से खुलने वाला है और यह मणिपुर में हिंसा से जुड़ी याचिकाओं के समूह तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मारे गए गैंगस्टर अतीक अहमद और अशरफ की बहन की एक याचिका सहित कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई करेगा। अहमद और अशरफ की बहन की याचिका में दोनों की पुलिस हिरासत में मौत की जांच के लिए एक आयोग गठित करने का अनुरोध किया गया है। सूत्रों के अनुसार, ग्रीष्मावकाश में कई अवकाशकालीन पीठ ने 2,000 से अधिक मामलों की सुनवाई की और 700 से अधिक मामलों का निस्तारण किया। इनमें सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड की जमानत याचिका भी शामिल है। शीर्ष न्यायालय ने शनिवार देर रात सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान करते हुए गुजरात उच्च न्यायालय के एक आदेश पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी।

उक्त आदेश में नियमित जमानत के लिए उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी और 2002 में गोधरा बाद के बाद हुए (गुजरात) दंगों के मामले में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए साक्ष्य गढ़ने के आरोप में उन्हें तुरंत आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। देर रात हुई विशेष सुनवाई में न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति ए.एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील करने के लिए सीतलवाड को समय नहीं देने पर सवाल उठाया और कहा कि एक सामान्य अपराधी भी कुछ अंतरिम राहत का हकदार होता है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान, तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति के.एम. जोसेफ, न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमण्यन-की सेवानिवृत्ति के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या घटकर 31 रह गई। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 है।

न्यायमूर्ति जोसेफ और रस्तोगी की सेवानिवृत्ति के साथ प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय (उच्चतम न्यायालय) कॉलेजियम की संरचना बदल गई है और दो वरिष्ठ न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत-को इसमें शामिल किया गया है। एक

अन्य वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी आठ जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मणिपुर हिंसा से संबंधित याचिकाओं के एक समूह पर सोमवार को सुनवाई करेगी। शीर्ष न्यायालय उस जनहित याचिका पर भी सुनवाई करेगा, जिसमें घरेलू हिंसा पीड़ित विवाहित पुरुषों द्वारा आत्महत्या किये जाने के मामलों से निपटने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने और उनके हितों की सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रीय पुरुष आयोग' के गठन संबंधी निर्देश का अनुरोध किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अवैध निर्माणाधीन कामकाज में नगरसेवक और बिल्डर्स जोड़ी का नमुना

बिल्डर्स हुए बेकाबू अनेक बांधकाम पूर्ण होने की तैयार

उधना ज़ोन-A और B बना भष्टाचार करने का ट्रेनिंग सेन्टर

नगरसेवक और बिल्डर्स की जोड़ी बनाकर हों रहे कार्य

अधिकारीयों पर कार्यवाही न करने का बना रहे दबाव

सिर्फ पेपर पर हों रही कार्यवाही के नाम पर कार्यवाही.

शांतिवन सोसायटी प्लोट न.16ऐ,16बी,16सी,16डी में अवैध रूप से कब्जा कर रहे भूमाफियाओं प्रशासन बना लाचार

बमरोली में जीतेंद्र नामक व्यकित ने नगरसेवक को अपने कार्य पूर्ण करने के लिए दिया हवाला लोगों में चर्चा का विषय बना .

आप के पास कोई भी जानकारी हों तो भेजिए भष्टाचार से संबंधित कोई भी जानकारी जनकल्याण के लिए जनता से समक्ष प्रकाशित किया जायेगा
WhatsApp & Call
9879141480 &
krantisamay@gmail.com

अवैध रूप से कार्य कराने के लिए बिल्डिंग मटेरियल करोबारी का अहम भागीदारी

अवैध वसूली से लेकर कार्य पूर्ण होने तक नगर सेवक, दलालों, और मनपा अधिकारीयों के बीच में सुई और दागे के समान कर रहे कार्य.

सोसायटी में सोसायटी प्रमुख,नगर सेवक,वोर्ड मेम्बर की छत्रछाया में कोंट्राक्टर और भू-माफियागिरी का चल रहा कारोबार

सुरत मनपा के अधिकारी कोई भी कार्यवाही न करें इस लिए बनाया जा रहा अधिकारीयों पर अरी अधिकारीयों और प्रशासन का दबाव

लक्ष्मीनारायण,प्रमुखपार्क,भगवती,यूनिटी,बमरोली,वड़ोद,सचीन में कार्यभाल संभाल रहे प्रशासन के अवैध रूप से बना दलाल

1-TP-63 वड़ोद FP-123/A Block No.164 Plot No.4,5,6 ओम इंडस्ट्रीयल वड़ोद
2-TP-22 भेस्तान FP-13/A सर्वे नबर.114 Plot No. A to H गुरुकुपा इंडस्ट्रीयल एस्टेट भेस्तान
3-TP-71 वड़ोद FP-57 रे.स.न.95 Plot No.112,113,114 आकाश इंडस्ट्रीयल वड़ोद
4-TP-71 Plot No.69,70,71,हरिओम इंडस्ट्रीयल -2 वड़ोद

बमरोली आदर्श सोसायटी में अवैध रूप से रिजर्वेशन की जगह पर भी किया जा रहा कार्य